हिन्दी दैनिक
लोकतंत्र प्रहरी
PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 51 ● भिलाई, गुरुवार 10 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रात में महिला के घर में घुसना, कपड़े उठाना दुष्कर्म की कोशिश नही

नई दिल्ली। दुष्कर्म से जुड़े 26 साल पुराने एक मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि केवल रात में किसी महिला के घर में प्रवेश करना और उसके कपड़े उठाना भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले में बदलाव करते हुए मामले को महिला की गरिमा भंग करने और आपराधिक बल के इस्तेमाल से संबंधित अपराध माना है। जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दुष्कर्म किए जाने के पर्याप्त रूप से निकट कोई प्रत्यक्ष कृत्य भी, परिस्थितियों के आधार पर, भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। प्रत्यक्ष कृत्य से आशय अपराध की योजना को पूरा करने की दिशा में उठाए गए वास्तविक और ठोस कदम से है। यह फैसला 31 अगस्त को सुनाया गया था और सोमवार को सार्वजनिक किया गया। आरोपी ने घाटशिला सत्र अदालत द्वारा 25 जुलाई, 2006 को सुनाई गई चार साल के सश्रम कारावास की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को फौरन लें हिरासत में

नई दिल्ली। अस्पतालों में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ पर बढ़ते हमलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा और तल्ख रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट आदेश देते हुए कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं और उनके समर्थकों को तुरंत हिरासत में लिया जाए। महाराष्ट्र में डॉक्टरों पर नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे हमलों की हालिया घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में खुलेआम घूमने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी कल्याण स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हमले के मामले में जमानत की शर्तों को चुनौती देने वाली शिवसेना पार्षद रमेश सुक्रिया म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

लुधियाना में 3 महीने की गर्भवती पत्नी की पीट-पीटकर हत्या की

लुधियाना। पंजाब में नशे के बढ़ते प्रभाव के बीच लुधियाना जिले के गांव बुर्ज लिट्टां से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां तीन महीने की गर्भवती 25 वर्षीय महिला हरप्रीत कौर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने उसके पति जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सा पर नशे की हालत में मारपीट कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। इस घटना में हरप्रीत के गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे की भी मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के परिजनों की शिकायत के आधार पर पति जसप्रीत सिंह और उसके दादा जोगिंदर सिंह को हिरासत में लिया है।

साय कैबिनेट की बैठक में हुए अहम फैसले

साय कैबिनेट में निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को मंजूरी

■ एनएसटीआई के लिए नवा रायपुर में 10 एकड़ जमीन आवंटित

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में लिए गए निर्णयों के संबंध में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जानकारी दी। मंत्रिपरिषद ने राज्य को देश के प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30' को मंजूरी दी है। नई नीति के माध्यम से प्रदेश में मजबूत निर्यात इकोसिस्टम और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने, निर्यातकों को बेहतर बाजार पहुंच एवं व्यापार सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही कृषि एवं औद्योगिक क्षेत्रों में मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। इस नीति के तहत ई-कॉमर्स, व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रदेश के उद्यमियों और निर्यातकों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच बढ़ाई जाएगी। इस नीति का लक्ष्य छत्तीसगढ़ के निर्यात में गुणात्मक एवं मात्रात्मक वृद्धि के साथ प्रदेश को 'राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजारों से और मजबूती से जोड़ना है। मंत्रिपरिषद ने नवा रायपुर अटल नगर में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (ह्स्ख्ड्ड) की स्थापना के लिए एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता निदेशालय को ग्राम तेंदुवा में 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क

आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होने वाले इस संस्थान में आधुनिक शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं छात्रावास सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यहां दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रतिवर्ष 1,000 तथा अल्पकालीन कार्यक्रमों में 3,000 प्रशिक्षुओं को आज के उद्योगों की जरूरत के अनुरूप आधुनिक तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। एनएसटीआई की स्थापना से प्रदेश के युवाओं के लिए उन्नत कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा नवा रायपुर को देश में कौशल एवं तकनीकी शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

संविदाकर्मियों-नगर सैनिकों को बड़ी राहत

मंत्रिपरिषद ने राज्य शासन के अधीन कार्यरत स्थायी/अस्थायी शासकीय सेवकों, निगम-मंडल एवं स्वशासी संस्थाओं के कर्मचारियों, संविदाकर्मियों तथा नगर सैनिकों को अन्य शासकीय सेवाओं एवं उच्च पदों के लिए आवेदन करने में बड़ी राहत देते हुए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा 38 वर्ष से बढ़ाकर 45 वर्ष करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से शासकीय एवं संबद्ध संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उच्च पदों एवं अन्य सेवाओं में आगे बढ़ने के अधिक और समान अवसर प्राप्त होंगे। इस संबंध में राज्य शासन द्वारा एकीकृत स्थायी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। मंत्रिपरिषद ने दुर्ग जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण के लिए ग्राम तितुरडीह में बीआईटी कॉलेज के समीप 4 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के नाम दर्ज उक्त भूमि के बदले ग्राम पाहंदा, तहसील पाटन में 5.024 हेक्टेयर शासकीय भूमि भिलाई इस्पात संयंत्र को दी जाएगी। दोनों भूखंडों का वर्तमान मूल्य लगभग समान है। इस निर्णय से दुर्ग में जिला न्यायालय के लिए आधुनिक एवं सुव्यवस्थित नवीन न्यायालय परिसर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा और न्यायिक अधोसंरचना को और सुदृढ़ किया जा सकेगा।

गणेश चतुर्थी के लिए शहर में तैयारियाँ जोर शोर से चल रही है.पंडालों के साथ साथ जगह जगह आकर्षक झाँकियाँ बनाई जा रही है.इसी के साथ दुर्ग - भिलाई सहित राजधानी में सड़क किनारे गणेश प्रतिमाओं की स्टालें भी लगने लगी है.दुर्ग के सिविल लाइन स्थित समृद्धि बाजार में खैरागढ़, चिचोला और राजनांदगांव से आए कलाकारों ने भगवान गणेश की विभिन्न मुद्राओं और आकर्षक रूपों वाली प्रतिमाएं बिक्री के लिए सजाई हैं। इन मनमोहक प्रतिमाओं को देखने के लिए राहगीर भी कुछ पल ठहरने को मजबूर हो रहे हैं। रंग-बिरंगी गणेश प्रतिमाओं से बाजार की रौनक देखते ही बन रही है।

फोटो : नाहीद शेख

गरबा पर बीजेपी में दो फाड़!

मुस्लिम एंट्री बैन को राणे का समर्थन......

नई दिल्ली/ एजेंसी

महाराष्ट्र में नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में मुस्लिमों की एंट्री को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गई है. भाजपा नेता और मंत्री नितेश राणे ने विश्व हिंदू परिषद का समर्थन करते हुए मुस्लिमों को इन आयोजनों में प्रवेश नहीं देने की अपील की है. विवाद के बीच सीएम फडणवीस की पत्नी अमृता ने बीजेपी नेताओं से अलग स्टैंड लिया है. उन्होंने कहा कि अगर कोई मुस्लिम व्यक्ति गरबा में आता है और उत्सव का आनंद लेता है, तो उन्हें इसमें कुछ गलत नहीं लगता. मिसेज सीएम फडणवीस ने कहा कि अगर कोई मुस्लिम व्यक्ति गरबा में आता है और उत्सव का आनंद लेता है, तो उन्हें इसमें कुछ गलत नहीं लगता.

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने गिनाई उपलब्धियां

सात अक्टूबर को जनसेवा के 25 साल पूरे करेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए 'सेवा संकल्प अभियान' पर चर्चा की। 7 अक्टूबर 2026 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन-सेवा और समर्पण के 25 साल पूरे करेंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि हम 25 करोड़ गरीब परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने में सफल रहे है। यह पीएम मोदी के नेतृत्व और विजन का ही नतीजा था। उनका सफर, जो एक आम कार्यकर्ता के तौर पर शुरू हुआ और आज 'प्रधान सेवक' के रूप में देश को आगे बढ़ाने तक पहुंचा है, पूरी तरह से उनके स्पष्ट विजन और पक्के संकल्प का ही परिणाम है। नितिन नबीन ने उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज, चाहे हम भव्य राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, सोमनाथ या महाकाल कॉरिडोर की बात करें, हम कह सकते हैं कि उन्होंने देश की सांस्कृतिक विरासत को पूरी तरह से नया रूप देने, उसे संरक्षित करने और विकसित करने की पहल की। अगर आज हम देश के युवाओं की बात करें, तो एक तरफ जहां देश के युवा कभी निराशा के माहौल में जी रहे थे, उन्हें उम्मीद और सकारात्मकता के माहौल में लाना वह काम है जो प्रधानमंत्री ने 2014 से किया है। सेवा संकल्प अभियान पर नितिन नबीन ने बताया कि अगले महीने के लिए 'सेवा संकल्प अभियान' की योजना बनाई गई है। 17 सितंबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक हम पूरे देश में यह महीने भर चलने वाला अभियान चलाएंगे।

वीडियो देखकर रह जाएंगे हैरान! खेत का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं छात्र

जशपुर। एक और विकास के दावे हैं, दूसरी तरफयह तस्वीर. छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूल की बदहाल व्यवस्था को देखकर किसी का भी दिल पसीज जाएगा. बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से स्कूल के पास बना हैंडपंप खराब पड़ा है, जिसके कारण स्कूली बच्चे खेतों से बहकर आ रहे पानी को पीने के लिए मजबूर हैं. दरअसल, पूरा मामला ग्राम पंचायत सुलेसा के शासकीय प्राथमिक शाला करमघाट का है. यहां पिछले कई दिनों से हैंडपंप से लाल पानी निकलता है. वहीं गांव में बिजली की समस्या के चलते बोर भी संचालित नहीं हो पा रहा है. ऐसे में छात्र-छात्राएं पास में खेतों से बहकर आ रहे पानी को पीने के लिए मजबूर हैं.

राजनाथ सिंह ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति से की मुलाकात

सुरक्षा-शांति का दोहराया संकल्प अंहम मुद्दों पर बनी विशेष सहमति

नईदिल्ली/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से कोलंबो में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों, रक्षा सहयोग तथा क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और समृद्धि से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री इस समय तीन दिवसीय दौरे श्रीलंका में हैं। राजनाथ सिंह ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ उनकी बातचीत बेहद उपयोगी और सार्थक रही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से श्रीलंका के राष्ट्रपति को शुभकामनाएं दीं और उनकी सरकार के दो वर्ष सफलतापूर्वक पूरे होने पर उन्हें बधाई दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और श्रीलंका सभ्यतागत रूप से जुड़े हुए देश, करीबी पड़ोसी और महत्वपूर्ण समुद्री साझेदार हैं। दोनों देशों ने एक बार फिर इस बात की पुष्टि की कि वे अपने-अपने देशों के विकास और दोनों देशों की जनता के कल्याण के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका क्षेत्र में सुरक्षा, शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए भी मिलकर योगदान देते रहेंगे। दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को भी विशेष महत्व दिया गया, क्योंकि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत और श्रीलंका की भौगोलिक स्थिति उन्हें समुद्री सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण साझेदार बनाती है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 9 सितंबर को कोलंबो में हुई इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और श्रीलंका के संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सागर में जहरीली शराब का कहर

28 मौतों का दावा, 90 मरीज अस्पताल में भर्ती-पांच की हालत गंभीर

सागर/ एजेंसी

मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब कांड के बाद हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। बंडा और आसपास के इलाकों से सामने आए इस मामले में अब तक 28 लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है, जबकि प्रशासन की ओर से फिलहाल 15 मौतों की आधिकारिक पुष्टि की गई है। दूसरी ओर, बड़ी संख्या में मरीजों के अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में इस समय करीब 90 मरीजों का इलाज चल रहा है। गंभीर मरीजों की संख्या को देखते हुए अस्पताल में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं और स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य अमला लगातार निगरानी कर रहा है। बीएमसी के आईसीयू में नौ गंभीर मरीज भर्ती बताए गए हैं। इनमें से पांच मरीजों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टर गंभीर रूप से प्रभावित मरीजों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। बताया गया है कि कुछ मरीजों के शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने के लिए बार-बार डायलिसिस की जरूरत पड़ रही है। इसके अलावा कई पीड़ितों की आंखों की रोशनी प्रभावित होने की भी जानकारी सामने आई है। जहरीले पदार्थ के असर से किडनी सहित अन्य अंगों पर भी गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका के बीच मरीजों का विशेष इलाज किया जा रहा है। इस घटना में मौतों का आंकड़ा बढ़ने की खबर लगातार सामने आ रही है। बीती रात इलाज के दौरान छापरी निवासी 38 वर्षीय अरविंद विश्वकर्मा

और धुरमार निवासी 32 वर्षीय रामस्वरूप अहिरवार की मौत की जानकारी सामने आई। इसके अलावा रिझावर सानौधा निवासी 50 वर्षीय नर्मदा प्रसाद की मौत की भी सूचना है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही आधिकारिक पुष्टि किए जाने की बात कही गई है। एक साथ बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने के बाद बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और मजबूत किया गया है। गंभीर मामलों को देखते हुए आईसीयू और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती गंभीर रूप से प्रभावित मरीजों की स्थिति को स्थिर रखना है। जिन लोगों में आंखों की रोशनी और किडनी से जुड़ी समस्याएं सामने आई हैं, उनका विशेषज्ञों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। मामले के बाद प्रशासन ने जांच और कार्रवाई तेज कर दी है। आबकारी विभाग की तीन टीमों ने जिले में स्थित वेयरहाउस, डिस्टलरी और शराब दुकानों की गहन जांच की। जांच के दौरान फैक्ट्री, वेयरहाउस और सरकारी दुकानों में उपलब्ध 'सागर गोल्ड' ब्रांड को जांच में क्लीन चिट मिलने की जानकारी सामने आई है। वहीं बम्बइया और डीसीआर ब्रांड की सप्लाई पर अगले आदेश तक रोक जारी रखने का फैसला किया गया है।

दिल्ली से सीधे सागर के लिए रवाना हुए सीएम यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को सागर पहुंचेंगे, जहां हाल ही में हुए जहरीली शराब कांड में अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 150 लोग विभिन्न अस्पतालों में उपचाररत हैं। मुख्यमंत्री अपने दिल्ली प्रवास के बाद शाम 4:20 बजे सागर के लिए रवाना हो चुके हैं। सागर में वह शराब कांड की स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं तथा प्रशासनिक अधिकारियों से राहत एवं उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। सागर दौरे को शराब त्रासदी के मद्देनजर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि घटना के बाद प्रदेशभर में आक्रोश का माहौल है और विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है।

CMYK

सांसद निधि खर्च करने में भोजराज नाग सबसे पीछे

कांकेर लोकसभा में 16.46 करोड़ की निधि जारी, खर्च हुए महज 3.59 करोड़, 87 में सिर्फ 29 काम पूरे, 58 विकास कार्य अब भी अधूरे

बालोद। कांकेर लोकसभा क्षेत्र से सांसद भोजराज नाग के लिए सांसद निधि के खर्च और विकास कार्यों की प्रगति के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सांसदों में सांसद निधि खर्च करने के मामले में जहां रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और दुर्ग सांसद विजय बघेल सबसे आगे हैं, वहीं कांकेर सांसद भोजराज नाग सबसे पीछे नजर आ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कांकेर लोकसभा क्षेत्र में अब तक जारी सांसद निधि की महज 39.5 प्रतिशत राशि ही खर्च हो सकी है। सांसद निधि के तहत कांकेर लोकसभा क्षेत्र के लिए अब तक 16 करोड़ 46 लाख 72 हजार 734 रुपये जारी किए गए हैं। इसके मुकाबले महज 3 करोड़ 59 लाख 85 हजार 836 रुपये खर्च किए जा सके हैं। यानी क्षेत्र के विकास के लिए उपलब्ध कराई गई बड़ी राशि का पर्याप्त उपयोग अब तक नहीं हो पाया है।

87 कार्य स्वीकृत, 29 ही पूर्ण

सांसद भोजराज नाग की अनुशंसा पर अब तक 87 विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई है। लेकिन स्वीकृत कार्यों की पूर्णता की स्थिति देखें तो तस्वीर और भी गंभीर नजर आती है। इनमें से सिर्फ 29 कार्य ही पूरे हो पाए हैं, जबकि 58 कार्य अब भी अधूरे हैं। यानी स्वीकृत कार्यों में करीब दो-तिहाई काम अभी पूर्णता की राह देख रहे हैं। सांसद निधि का उद्देश्य लोकसभा क्षेत्र में जनता की स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को गति देना है। ऐसे में कार्यों की स्वीकृति के बाद उनके समय पर पूरा नहीं होने से उन क्षेत्रों के लोगों को विकास का अपेक्षित लाभ मिलने में देरी हो रही है।

प्रदेश में 2,284 कार्य स्वीकृत, 1,389 अधूरे

छत्तीसगढ़ के सभी 11 लोकसभा क्षेत्रों में सांसदों ने अब तक कुल 2284 विकास कार्यों को स्वीकृति दी है। इनमें वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 के कार्य शामिल हैं। हालांकि इन कार्यों की पूर्णता दर बेहद धीमी है। अब तक महज 895 कार्य पूरे हुए हैं, जबकि 1 हजार 389 कार्य अभी अधूरे हैं। सांसद निधि के तहत प्रत्येक लोकसभा सांसद को प्रतिवर्ष 5 करोड़ रुपये मिलते हैं। यह राशि दो किस्तों में ढाई-ढाई करोड़ रुपये के रूप में जारी की जाती है। पहली किस्त की लगभग 75 प्रतिशत राशि खर्च होने के बाद दूसरी किस्त जारी किए जाने का प्रावधान है। ऐसे में निधि के उपयोग की गति सीधे तौर पर नए विकास कार्यों की स्वीकृति और क्षेत्र में विकास की रफ्तार को प्रभावित करती है।

बस्तर, सरगुजा और रायपुर में भी काम की रफ्तार सुस्त

सांसद निधि से स्वीकृत कार्यों के पूर्ण होने की स्थिति केवल कांकेर तक सीमित नहीं है। प्रदेश के कई लोकसभा क्षेत्रों में निर्माण कार्य अपेक्षित गति से पूरे नहीं हो रहे हैं। बस्तर में केवल 18.4 प्रतिशत, सरगुजा में 21.2 प्रतिशत और रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 23.2 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हुए हैं। हालांकि सांसद निधि खर्च के मामले में कांकेर सांसद भोजराज नाग की स्थिति प्रदेश के अन्य सांसदों की तुलना में सबसे पीछे बताई जा रही है। इससे क्षेत्र में स्वीकृत कार्यों की निगरानी, क्रियान्वयन की गति और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जनता के काम कब होंगे पूरे?-

कांकेर लोकसभा क्षेत्र आदिवासी और ग्रामीण बहुल इलाकों वाला क्षेत्र है, जहां सड़क, नाली, पेयजल, सामुदायिक भवन, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े छोटे-बड़े विकास कार्यों की लगातार जरूरत रहती है। ऐसे में सांसद निधि जैसी महत्वपूर्ण राशि का समय पर उपयोग नहीं होना सीधे तौर पर स्थानीय विकास को प्रभावित कर सकता है। अब सवाल यह है कि सांसद निधि से स्वीकृत 58 अधूरे कार्य आखिर कब तक पूरे होंगे और उपलब्ध निधि का पूरा उपयोग कब तक सुनिश्चित किया जाएगा? जनता की नजर अब सांसद भोजराज नाग और संबंधित कार्यकारी एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर टिकी है।

22 सितंबर से बसों का अनिश्चितकालीन महाबंद

यातायात महासंघ ने रखीं 9 सूत्रीय मांगें

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के आह्वान पर पूरे प्रदेश में 22 सितंबर से बसों का अनिश्चितकालीन महाबंद रहेगा। इसकी जानकारी प्रदेश अध्यक्ष अनवर अली रायपुर एवं बेमेतरा जिला अध्यक्ष गोपाल साहू ने दी है। यातायात महासंघ ने बताया कि लंबे समय से परिवहन व्यवसायियों की समस्याओं पर शासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके चलते यह निर्णय लेना पड़ा। महासंघ का नारा है, एकजुट परिवहन, समृद्ध छत्तीसगढ़ और हमारा परिवहन हमारी पहचान। महासंघ ने अपनी 9 सूत्रीय मांगों के चलते बंद का आवाहन किया है जो इस प्रकार है बस किराये में वृद्धि की जाए, सिंगल स्लीपर सिंगल टैक्स यह दोनों मुद्दे कैबिनेट से संबंधित हैं, इनका निराकरण किया जाए। सिटी बसों का संचालन केवल नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंदर ही हो। ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में और किसी भी बस स्टैंड के अंदर प्रवेश न करें। स्टेज कैरिज परमिट की समीक्षा के बाद ही जारी किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में आधा घंटा और मुख्य मार्ग पर 10 मिनट के अंतराल का नियम बराबर रखा जाए। वीएलटीडी के रिन्यूअल का नया रेट कम किया जाए। जब तक फिटनेस सेंटर तैयार नहीं होते, तब तक आरटीओ कार्यालय को फिटनेस मैन्युअल करने का अधिकार दिया जाए। जिस राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य की गाड़ियों को चलने नहीं दिया जाता, उस राज्य के काउंटर सिग्नेचर रोके जाएं, जैसे - उड़ीसा। सभी वाहनों में ऑनलाइन परमिट बनना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष अनवर अली ने कहा कि यदि 22 सितंबर से पहले मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेश भर के समस्त बस ऑपरेटर, मालिक, कर्मचारी एवं परिवहन व्यवसायी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। बेमेतरा जिला अध्यक्ष गोपाल साहू ने जिले के सभी बस संचालकों से महाबंद को सफल बनाने की अपील की है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में पूरी बसे बंद होगा जिसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगा, क्योंकि सरकार के आश्वासन के बाद ही 3/8/26 के एक दिवसीय प्रदर्शन को स्थगित किया गया था, हम बस वाले को डीजल ऑयल पार्ट्स के साथ साथ सभी चीजों में वृद्धि हो गया है , सरकार के आश्वासन को पूरा एक माह से भी ज्यादा हो गया किंतु आज तक हमारी मांगो पर कोई ध्यान नहीं दिया गया, इसलिए मज़बूरन हमे हड़ताल का आह्वान करना पड़ा।

ढोलिया आंगन बाड़ी में मनाया गया तीज मिलन समारोह

बेमेतरा। समीपस्थ ग्राम ढोलिया में अंगना में शिक्षा अंतर्गत तीज मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के द्वारा बच्चों की माताओं को विद्यालय में आमंत्रित किया गया, उन्हें इस बात की जानकारी दी गई कि किस तरह खेल- खेल में बच्चों को पाठ्यक्रम की बातें सिखाई जाती हैं। संस्था की शिक्षिकाओं अर्चना झा,काजल दुबे एवं सुकन्या सिंह राजपूत ने बच्चों की माताओं से शैक्षिक संवाद किया। साथ ही उन्हें बच्चों के साथ घर पर किस तरह का व्यवहार करें ताकि बच्चे शिक्षा को आनंद के साथ सीखने की प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इस अवसर पर माताओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी रखा गया। जिसमें पुष्पा साहू को तीज क्वीन चुना गया। खेल की की प्रतियोगिता में रानी साहू एवं नृत्य में हिरौंदी साहू विजेता बनी। भेजा यादव को ने श्रेष्ठ माता होने का गौरव हासिल किया। सभी माताओं ने इस तरह के अच्छे आयोजन के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम की अभिभावक महिलाएँ एवं विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

शहर में स्थायी तहसीलदार की पदस्थापना नहीं होने से प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित

दल्लीराजहर. भिलाई इस्पात संयंत्र की धड़कन कही जाने वाली लौह अयस्क नगरी दल्ली राजहरा की धड़कन तहसीलदार के अभाव में थमती सी नजर आ रही है। दल्ली राजहरा 55 हजार से अधिक आबादी वाला शहर है। माइंस और रेलवे क्षेत्र से घिरे इस शहर में दिन-रात हजारों लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद शहर में स्थायी तहसीलदार की पदस्थापना नहीं होने से प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वर्तमान में दल्ली राजहरा एवं डौंडी क्षेत्र के लिए एक ही तहसीलदार नियुक्त हैं, जो गुरुर से आवागमन करते हैं। ऐसे में दल्लीराजहरा में समय पर प्रशासनिक एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट स्तर की कार्रवाई के लिए सक्षम अधिकारी की उपलब्धता नहीं हो पाती। तहसीलदार केवल राजस्व एवं जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले अधिकारी ही नहीं, बल्कि कई मामलों में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। ऐसे में किसी संवेदनशील स्थिति, आंदोलन, धरना, जुलूस या कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थिति में तहसीलदार की तत्काल मौजूदगी महत्वपूर्ण हो जाती है।

अक्सर होते हैं आंदोलन

दल्लीराजहरा क्षेत्र में लौह अयस्क माइंस से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर आए दिन आंदोलन, हड़ताल और प्रदर्शन होते रहते हैं। रेलवे क्षेत्र होने के कारण भी यहां गतिविधियां लगातार बनी रहती हैं। इसके अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के बाजार, माइंस क्षेत्र से आने-जाने वाले भारी वाहन तथा विभिन्न मांगों को लेकर संगठनों द्वारा किए जाने वाले सड़क आंदोलन के कारण शहर में अक्सर भीड़भाड़ की स्थिति रहती है। ऐसे में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासनिक अधिकारी की तत्काल मौजूदगी जरूरी होती है। वहीं दूसरी ओर जमीन-जायदाद और राजस्व से जुड़े मामलों की सुनवाई एवं निराकरण के लिए भी लोगों को अधिकारी की उपलब्धता का इंतजार करना पड़ रहा है। इससे कई मामले लंबित होने के साथ उनकी जटिलता भी बढ़ती जा रही है। दल्लीराजहरा और डौंडी दोनों ही क्षेत्रों में प्रशासनिक एवं कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियां बनी रहती हैं। इसके बावजूद दोनों क्षेत्रों के लिए एक ही तहसीलदार की नियुक्ति होने से अधिकारी को दोनों क्षेत्रों में समय देना पड़ता है। दल्लीराजहरा में तहसीलदार के लिए स्थायी कार्यालय की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद यहां स्थायी पदस्थापना नहीं होने से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय पत्रकारों द्वारा कुछ माह पूर्व जिला कलेक्टर से भी दल्लीराजहरा में तहसीलदार की स्थायी नियुक्ति को लेकर मौखिक रूप से आग्रह किया गया था। उस दौरान कलेक्टर द्वारा जल्द व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया गया था। अब एक बार फिर क्षेत्रवासियों द्वारा स्थायी तहसीलदार की नियुक्ति की मांग उठाई जा रही है। इस संबंध में एसडीएम दल्लीराजहरा सुरेश साहू ने बताया कि जिला कलेक्टर से इस विषय में चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि नए तहसीलदार की नियुक्ति होते ही उन्हें दल्लीराजहरा क्षेत्र के लिए भेजा जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि दल्लीराजहरा जैसे महत्वपूर्ण एवं व्यस्त क्षेत्र में स्थायी तहसीलदार की पदस्थापना होने से राजस्व मामलों के निराकरण के साथ ही कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों में भी प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करने में सुविधा होगी।

पाकेट मारने से से मना करने पर चाकू से किया वार पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेमेतरा। गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए धारदार वस्तु से किया वार, साजा पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल हैं। प्रार्थी सुनीत साहू उम्र 41 वर्ष, निवासी मोहतरा थाना साजा जिला बेमेतरा द्वारा थाना साजा में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह अपने साथी के साथ ग्राम मोहतरा से शासकीय शराब दुकान साजा शराब खरीदने आया था। शाम करीब 05:30 बजे शराब दुकान के सामने गेट के पास पहुंचने पर उसने देखा कि एक युवक एक अंजान व्यक्ति का पैकेट मार रहा था। प्रार्थी द्वारा उक्त युवक को ऐसा करने से मना करने पर आरोपी ने अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा अपने कमर से धारदार चाकू निकालकर प्रार्थी के दाहिने हाथ में कोहनी के पास वार कर दिया। इसी दौरान आरोपी के साथी भीम साहू ने भी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और अपने पास रखे धारदार चाकू से प्रार्थी पर वार किया। प्रार्थी द्वारा वार को रोकने का प्रयास करने पर उसके दाहिने हाथ की बीच वाली उंगली में चोट लगी। घटना के दौरान एक व्यक्ति द्वारा बीच-बचाव किया गया। आसपास के लोगों को आते देखकर दोनों आरोपी शराब दुकान

के पीछे की दीवाल कूदकर मौके से फरार हो गए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना साजा में आरोपियों के विरुद्ध धारा 296, 351(3), 115(2), 3(5) बीएनएस एवं धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.)ने तत्काल आरोपी के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिए। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव एवं एसडीओपी बेरला श्रीमती रूचि वर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी साजा निरीक्षक जनक साहू को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में साजा पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। विवेचना के दौरान आरोपी मनीष उर्फ भीम साहू को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर अपना अपराध करना स्वीकार किया। प्रकरण में आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार वस्तु एवं अन्य साक्ष्य जप्त किया गया। प्रकरण में आरोपी मनीष उर्फ भीम साहू पिता पुरन साहू उम्र 19 वर्ष, निवासी भरतपुर वार्ड नंबर 03 साजा थाना साजा जिला बेमेतरा को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। तथा एक विधि के साथ संघर्षरत बालक को माननीय किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी साजा निरीक्षक जनक साहू, उप निरीक्षक असीम किर्तीनिया, प्रधान आरक्षक दुर्गेश तिवारी, शिवराज सिंह, आरक्षक अर्जुन धुर्वे, कैलाश पाटिल, राजू यादव, गोकुल सोनी, प्रमोद बंजारे सहित अन्य थाना स्टाफ का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दल्लीराजहरा मॉडर्न आर्ट क्लब डी-मैक में शिक्षक दिवस का आयोजन

दल्लीराजहरा। दल्लीराजहरा मॉडर्न आर्ट क्लब डी-मैक में शिक्षक दिवस का आयोजन बड़े ही उत्साह, उमंग और अनोखे अंदाज में किया गया। कार्यक्रम में सम्मान, कला, मनोरंजन और सामाजिक संदेश का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर अतिथियों एवं शिक्षिकाओं के स्वागत से हुई। तिलक लगाकर एवं पुष्प-वर्षा कर सभी का आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात मां सरस्वती की वंदना और स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विजय बोरकर, मिलन एवं श्रीजीत द्वारा सभी अतिथियों और शिक्षिकाओं को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक के बाद एक मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कविता, गीत, एकल गायन, छत्तीसगढ़ी नृत्य, युगल नृत्य और सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियों ने खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में विशेष रूप से कपिल शर्मा शो की तर्ज पर प्रस्तुत किया गया हास्य नाट्य कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। तीन अलग-अलग किरदारों के माध्यम से शिक्षकों की मजेदार नकल और हास्य प्रस्तुति ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। वहीं छत्तीसगढ़ी अंदाज में सरकार की केवाईसी से लेकर आधार कार्ड तक की मजेदार प्रस्तुति ने भी सभी को खूब हंसाया। इसमें कचरा बोदरा ने अपनी शानदार हास्य प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम के अंत में फिर मिलेंगे चलते-चलते गीत पर डी-मैक के सभी सदस्यों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस शानदार प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया तथा उपस्थित सभी लोग झूमने और नाचने पर मजबूर हो गए। डी-मैक परिवार हर वर्ष शिक्षक दिवस को केवल एक औपचारिक कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि कला, मनोरंजन, आपसी प्रेम और समाज के प्रति सकारात्मक संदेश के साथ मनाने का प्रयास करता है। नाटक, हास्य प्रस्तुति, नृत्य, गीत, खेल एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हर वर्ष कुछ नया प्रस्तुत करने की परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग एवं सहभागिता देने वाले सभी सदस्यों के प्रति डी-मैक परिवार ने हृदय से आभार व्यक्त किया। दामिनी, सत्य, सती, पूर्णिमा, राठौर, गायत्री, वीणा, मोनिका, किरण पांढरे, कांती भाभी, गुड़िया भाभी, मालती, ज्योति, बेबी, मेघा, खुशबू, द्रोपदी, महक, किरण राजपूत, आशा, गीता, मंजू साहू, पूर्णिमा मंडल, रीता, वर्षा, वासु, हेम, ऐश्वर्या, रश्मि, अन्नू, स्मृति, श्यामली, सेवती, मंजू कथूरिया, पुष्पा, दीसि झा, तृप्ति, अनुराधा सिंह, निर्मला साहू, ममता वाहने, बबीता झा, मधुबिलता, प्रभा, माधुरी दुबे, रितु, रंजना गुलबके एवं किरण पटले आदि लोगों का सहयोग रहा। अंत में डी-मैक परिवार की ओर से सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

नलकूप ले गए सरपंच, बूंद-बूंद पानी को तरस रहे तेंदुआडीह के मासूम

कवर्धा। पंडरिया नगर से लगा हुआ ग्राम पंचायत सोनपुरी का आश्रित ग्राम तेंदुआडीह इन दिनों बुनियादी सुविधाओं की बदहाली का सामना कर रहा है। यहां प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले मासूम बच्चों के लिए स्कूल परिसर में पेयजल की व्यवस्था तक नहीं है। शिक्षा सत्र शुरू होने के पहले से स्कूल परिसर में लगा नलकूप खराब पड़ा है। सुधार कराने के लिए सरपंच नलकूप को निकलवाकर ले गए, लेकिन उसे वापस लगाकर चालू नहीं कराया गया। इसका खामियाजा अब स्कूल के छात्र-छात्राओं और मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाली रसोईया को भुगतना पड़ रहा है। स्कूल की शिक्षिका के अनुसार नलकूप खराब होने की जानकारी सरपंच को बार-बार दी जा चुकी है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी स्कूल परिसर में पेयजल व्यवस्था बहाल नहीं हो पाना पंचायत की कार्यप्रणाली और प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर रहा है।

मरम्मत के नाम पर निकला नलकूप, स्कूल में पानी का संकट बरकरार

नलकूप खराब होने के बाद उसे सुधार कराने के लिए निकलवाया गया था। उम्मीद थी कि जल्द मरम्मत कराकर वापस लगाया जाएगा और बच्चों को स्कूल परिसर में ही पानी उपलब्ध होगा। लेकिन समय बीतता गया और नलकूप वापस नहीं आया। नतीजा यह है कि स्कूल में रोजमर्रा की पानी की जरूरत बाहर से पूरी करनी पड़ रही है। छात्र-छात्राओं को पीने के पानी के लिए स्कूल परिसर के बाहर जाना पड़ रहा है। वहीं मध्यान्ह भोजन बनाने वाली रसोईया को भोजन तैयार करने, बर्तन साफकरने और अन्य जरूरी कार्यों के लिए भी बाहर से पानी लाना पड़ रहा है। प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले छोटे बच्चों के सामने यह स्थिति किसी विडंबना से कम नहीं है।

पंचायत निधि के बावजूद बुनियादी सुविधा बदहाल

पंचायतों के पास मूलभूत सुविधाओं के विकास और रखरखाव के लिए विभिन्न मदों में राशि उपलब्ध होती है। 15वें वित्त आयोग सहित पंचायत निधियों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जनोपयोगी कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है। इसके बावजूद स्कूल का नलकूप लंबे समय से खराब पड़ा रहना पंचायत की प्राथमिकता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। बच्चों के लिए पेयजल कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि स्कूल की अनिवार्य बुनियादी जरूरत है। इसके बावजूद यदि एक खराब नलकूप को समय पर दुरुस्त नहीं कराया जाता है तो पंचायत स्तर पर योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों के उपयोग की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

आग्रह के बाद भी सुधार नहीं

स्कूल की शिक्षिका द्वारा बार-बार जानकारी दिए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने की बात सामने आई है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि शिकायत और समस्या समाधान के बीच पंचायत स्तर पर प्रभावी निगरानी का अभाव बना हुआ है। स्कूल परिसर में पानी नहीं होने से बच्चों को बाहर जाना पड़ता है। छोटे बच्चों के लिए यह स्थिति असुविधा के साथ सुरक्षा का विषय भी है। शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी का सीधा असर बच्चों के रोजमर्रा के स्कूल अनुभव पर पड़ता है।

अब नलकूप नहीं, जिम्मेदारी तय करने की जरूरत

मामले में संबंधित अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेकर तेंदुआडीह प्राथमिक शाला की पेयजल व्यवस्था बहाल कराने की जरूरत है। साथ ही नलकूप कब खराब हुआ, उसे सुधार के लिए कब निकाला गया और अब तक वापस क्यों नहीं लगाया गया, इसकी स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। तेंदुआडीह के मासूम बच्चों को पानी के लिए स्कूल परिसर से बाहर जाने की मजबूरी से तत्काल राहत मिलनी चाहिए। पंचायत निधि और 15वें वित्त आयोग जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य ही गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। ऐसे में स्कूल में पानी की व्यवस्था बहाल करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण शिक्षा दूत से सम्मानित हुए प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी प्रधान पाठक

बेमेतरा। शिक्षक दिवस के पावन पर्व भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति सर्व पल्ली राधा कृष्णन का जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस नवागढ़ में मनाया गया जिसमें मंत्री दयाल दास बघेल खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण छत्तीसगढ़ शासन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी गण कर्मचारी शामिल हुए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी से चंद्रभान सिंह धुर्वे प्रधान पाठक को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण शिक्षा दूत से सम्मानित किया गया चंद्रभान सिंह धुर्वे ने अपने स्वयं व्यय से स्कूल को रंग रोहण कार्य कराया गया बच्चों सिखाने के लिए प्रिंच रंचित वातावरण तैयार किया गया शाला स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छ वातावरण तैयार किया गया बच्चों को गतिविधियों के माध्यम से सिखाने के लिए कक्षा को सजाया गया जिसमें बच्चे सरल तरीके से सीखते थे चंद्रभान सिंह धुर्वे ने अपने स्वयं के व्यय पर संकुल स्तरीय बाल मेला का भव्य आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न विद्यालय के बच्चे शामिल हुए विज्ञान गणित विषय का स्टॉल लगाया गया था छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्टॉल लगाया गया था जिसमें शिक्षा विभाग से अरुण खरे विकास खंड शिक्षा अधिकारी शामिल हुए थे प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी को जन सहयोग से 4 नग कैमरा सी सी टीवी प्राप्त हुआ नगर पंचायत दाढ़ी से वाटर कूलर प्राप्त हुआ 5 नग डस्टबिन 3नग दिवाल घड़ी जन सहयोग से प्राप्त हुआ चंद्रभान सिंह धुर्वे प्रधान पाठक ने इस उपलब्धि पर अपने स्टॉफके सभी कर्मचारी के सहयोग योगदान के लिए बधाई शुभकामनाएं दी गईं।

संक्षिप्त समाचार

मानिकचौरी हत्याकांड का खुलासा, नाबालिग समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर जिले के मानिकचौरी में हुई हत्या और लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अभनपुर पुलिस ने मामले में एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल धारदार चाकू सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 4 सितंबर की रात वेदप्रकाश ध्रुव उर्फ धुनू और छबी जांगड़े उर्फ धोंधी शराब पी रहे थे। पैसे खत्म होने के बाद दोनों ने राहगीरों को लूटने की योजना बनाई। रात करीब 1 बजे दोनों मोटरसाइकिल से निकले और हसदा मोड़ के पास एक राहगीर को पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर रोकने की कोशिश की। राहगीर ने बाइक नहीं रोकी तो आरोपियों ने पीछा कर उसे ओवरटेक किया और रास्ते में रोक लिया। दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर साथ मौजूद नाबालिग ने धारदार चाकू से उस पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी मृतक का मोबाइल और 1000 रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई।

ग्राम कण्डेल में युवक की गला रेतकर हत्या का खुलासा – मामूली रंजिश बनी हत्या की वजह

रायपुर। थाना अर्जुनी क्षेत्रांतर्गत ग्राम कण्डेल में दिनांक 06 सितंबर 2026 की रात्रि करीब 09:00 बजे मामूली रंजिश एवं पूर्व विवाद के चलते युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या किए जाने की घटना सामने आई थी। मृतक पारसमणी साहू, उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम कण्डेल, जो राजमिस्त्री का कार्य करता था, घटना के समय गांव के गौठान स्थित बरगद पेड़ के पास मौजूद था। इसी दौरान आरोपी द्वारा पूर्व विवाद एवं रंजिश के चलते उस पर धारदार हथियार से हमला किया गया। गंभीर चोट लगने एवं अत्यधिक रक्तस्राव के कारण पारसमणी साहू की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक शरद ताम्रकार पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। प्रार्थी भारत राम साहू, मृतक के पिता की रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध थाना अर्जुनी में अपराध क्रमांक 0/2026, धारा 103(1) बीएनएस एवं मर्ग क्रमांक 88/2026, धारा 194 बीएनएसएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए आवश्यक फॉरेंसिक एवं तकनीकी साक्ष्य संकलित किए गए तथा प्रत्यक्षदर्शियों, परिजनों एवं संदेहियों से लगातार पूछताछ की गई।

पत्नी की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश आरोपी पति गिरफ्तार

रायपुर । एसपी धमतरी भावना पांडेय के निर्देशन में जिले में गंभीर अपराधों के खिलाफ चल रही त्वरित कार्रवाई के तहत भखारा पुलिस ने पत्नी की हत्या कर वारदात को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास करने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। मर्ग जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मानववध की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मामले का खुलासा किया। जानकारी के अनुसार, थाना भखारा में मर्ग क्रमांक 47/2026 की जांच के दौरान मृतका वीणा ध्रुव की मौत संदिग्ध पाए जाने पर पुलिस ने परिजनों और गवाहों के बयान दर्ज किए। शव परीक्षण रिपोर्ट में चिकित्सक ने मृत्यु की प्रकृति मानववध होना बताया। इसके बाद पुलिस ने अपराध क्रमांक 109/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मृतका के पति विवेक ध्रुव उर्फ गोलू (30), पिता राजकुमार ध्रुव, निवासी सुपैला, थाना भखारा से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी के मोबाइल पर किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत करने की बात को लेकर विवाद हुआ था।

फर्जी डीएड से नौकरी पाने वाला शिक्षक निलंबित

रायपुर। फर्जी और कूटरचित दस्तावेज के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर कसडोल विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला कंजिया में पदस्थ सहायक शिक्षक (एलबी) रामेश्वर प्रसाद साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार पिसीद निवासी हेमदास मानिकपुरी ने कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत की थी कि रामेश्वर प्रसाद साहू ने वर्ष 2011 में फर्जी डीएड अंकसूची के आधार पर शिक्षाकर्मी वर्ग-3 के पद पर नियुक्ति प्राप्त की थी। शिकायत के मुताबिक, उन्होंने सत्र 2008 की डीएड अंकसूची, रोल नंबर 47240442 प्रस्तुत की थी। शिकायत की जांच के दौरान दस्तावेजों में ऐसी गड़बड़ी सामने आई, जिसने पूरे मामले को संदिग्ध बना दिया। शिक्षक ने 2011 में नियुक्ति हासिल करने के करीब 11 साल बाद पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर से दोबारा डीएड किया था।

साक्षरता से व्यक्ति सशक्त होता है

योजनाओं का लाभ लेने और साइबर ठगी से बचने में मिलती है मदद-मंत्री

- हम सभी को मिलकर कोरबा को पूर्ण साक्षर जिला बनाना है – कैबिनेट मंत्री लखन लाल
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत हुआ समारोह

रायपुर/ संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जिला साक्षरता विभाग, कोरबा द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय साक्षरता समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का आयोजन साक्षर बनें, सशक्त बनें एवं उल्लास से उवल भविष्य की ओर की थीम पर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में निरक्षर वयस्कों को साक्षर बनाने के साथ उनमें जागरूकता एवं आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम, आबकारी तथा सार्वजनिक उपक्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति का साक्षर होना अत्यंत आवश्यक है। साक्षरता व्यक्ति को अपने अधिकारों और दायित्वों को समझने के साथ दैनिक जीवन में बैंकिंग लेन-देन, शासकीय योजनाओं और विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को सही ढंग से समझने में सक्षम बनाती है। साक्षर व्यक्ति ठगी और धोखाधड़ी का शिकार होने से भी काफी हद तक बच सकता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल पढ़ना-लिखना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि डिजिटल रूप से भी जागरूक और साक्षर होना जरूरी है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा जिला विभिन्न क्षेत्रों में लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहा है। साक्षरता के क्षेत्र में भी जिले को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 27 सितंबर को आयोजित होने वाली परीक्षा के बाद कोरबा पूर्ण साक्षर जिला बनने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि कोरबा को पूर्ण साक्षर जिला बनाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे साक्षरता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं और अपने आसपास तथा परिवार के निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को लेकर देश को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विकसित छत्तीसगढ़-2047 के लक्ष्य के साथ विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को मूर्त रूप दे रहे हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने में साक्षरता की महत्वपूर्ण भूमिका है। साक्षर व्यक्ति अपने अधिकारों को समझने के साथ शासन की योजनाओं का बेहतर लाभ उठा सकता है और समाज के विकास में प्रभावी योगदान दे सकता है। कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि साक्षरता से व्यक्ति में जागरूकता आती है और रूढ़िवादिता दूर होती है।

छत्तीसगढ़ी को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए सकारात्मक पहल

- राज्यपाल श्री रमेन डेका से छत्तीसगढ़ी भाषाविदों ने की भेंट

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में छत्तीसगढ़ी भाषाविदों ने भेंट कर छत्तीसगढ़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने तथा इसके संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के संबंध में चर्चा की। भाषाविदों ने राज्यपाल को छत्तीसगढ़ी भाषा की प्राचीनता, समृद्ध साहित्यिक परंपरा, व्याकरण, शब्दकोश एवं मानकीकरण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ी प्रदेश की राजभाषा एवं प्रमुख संपर्क भाषा है और लगभग डेढ़ करोड़ लोग इसका प्रयोग करते हैं। राज्यपाल श्री डेका ने स्वयं पहल करते हुए इस विषय पर सार्थक चर्चा की। छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास और इसे आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की दिशा में सकारात्मक पहल करते हुए कहा कि इसके लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। समिति द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के इतिहास, साहित्य, व्याकरण, शब्दकोश एवं अन्य संदर्भ सामग्री का व्यवस्थित संकलन किया जाएगा। इसके लिए विषय के विद्वानों एवं विशेषज्ञों से आवश्यक जानकारी और सुझाव भी लिए जाएंगे। राज्यपाल ने इस संदर्भ में असमिया और बोडो भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने का उदाहरण भी दिया। भाषाविदों ने बताया कि छत्तीसगढ़ी में 15 वीं शताब्दी से साहित्य सृजन की समृद्ध परंपरा रही है। कविता, खंडकाव्य, कहानी, उपन्यास, नाटक, आलोचना एवं पत्रकारिता सहित विभिन्न विधाओं में प्रचुर सामग्री उपलब्ध है। छत्तीसगढ़ी का व्याकरण वर्ष 1890 में तथा पहला शब्दकोश वर्ष 1939 में तैयार हुआ। वर्ष 1924 में पहला छत्तीसगढ़ी उपन्यास 'हीरू के कहिनी' प्रकाशित हुआ। पंडित सुंदरलाल शर्मा द्वारा जेल से हस्तलिखित छत्तीसगढ़ी पत्रिका 'दुलरवा' का प्रकाशन भी किया गया था।

कर्मों के कर्ज का भुगतान किए बिना सिद्ध पद की प्राप्ति संभव नहीं होता...

रायपुर। संवाददाता

जिनकुशल सूरी जैन दादाबाड़ी में बुधवार को कल्पसूत्र की पांचवी वाचना के अंतर्गत साध्वीवर्या नवकार जपेश्वरी शुभंकरा महाराज साहब ने श्रद्धालुओं को भगवान महावीर के जीवन चरित्रों व कल्याणकों का श्रवण कराया। भगवान के जन्मोत्सव के उपरांत उनका नामकरण हुआ, नाम रखा गया वर्धमान कुमार। बाल्यकाल से ही वीर और धीर वर्धमान कुमार की संपूर्ण कुण्डलपुर नगरी में सर्वत्र प्रशंसा होने लगी। वर्धमान कुमार 8 वर्ष के हुए तब सिद्धार्थ महाराजा व त्रिशला महारानी ने उनका तिलक कर उन्हें पाठशाला के लिए विदा किया। शिक्षा ग्रहण किए बिना ही उन्होंने परीक्षा लेने आए धर्मशास्त्री के सभी प्रश्नों के उत्तर दे दिए, उनकी विद्वता से सभी अत्यंत प्रभावित हुए। तदुपरांत साध्वीवर्या द्वारा भगवान के विवाह से लेकर उनकी दीक्षा और निर्वाण तक के प्रसंगों का विस्तृत वर्णन सुनाया। भगवान के साढ़े 12 वर्षों के साधनाकाल में उन्हें दिए गए अनेक उपसर्गों की चर्चा करते हुए पून्या साध्वी ने प्रेरणा प्रदान कर कहा कि पूर्व जन्मों के कर्मों का भुगतान तीर्थंकर बनने वाली आत्मा को भी करना पड़ा। कर्मों के कर्ज का भुगतान किए बिना सिद्ध पद की प्राप्ति संभव नहीं है। साध्वीवर्या सरलमना पून्या सुभद्राजी महाराज साहब ने भगवान महावीर के कैवल्य कल्याणक, इंद्रभूति द्वारा अपने पांच सौ शिष्यों के साथ परमात्मा की निश्रा में दीक्षा ग्रहण करने, गणधर गौतम स्वामी व भगवान महावीर के मध्य धर्म संवाद, भगवान के निर्वाण एवं गौतम स्वामी को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति आदि कथानकों का श्रवण कराते हुए कल्पसूत्र की पांचवी वाचना पूर्ण की। जैन श्वेताम्बर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष विमलचंद मालू, उपाध्यक्ष पारस पारख व चातुर्मास समिति के प्रचार प्रसार प्रभारी तरूण कोचर ने बताया कि आज प्रात: धर्मसभा में साध्वी भगवंत के मुख से जब भगवान महावीर के दीक्षा कल्याणक का प्रसंग श्रवण कराया जा रहा था।

राज्यपाल श्री रमेन डेका से अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात

मातृत्व का संबल बनी मिनीमाता महतारी जतन योजना

महिलाओं के खातों में सीधे पहुंची 20 20 हजार रुपए की सहायता राशि.....

- प्रसूता महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य और नवजात की देखभाल में मिली आर्थिक राहत

रायपुर/ संवाददाता

मातृत्व का संबल बनी 'मिनीमाता महतारी जतन योजना' राज्य शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित 'मिनीमाता महतारी जतन योजना' सुदूर वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों की श्रमिक महिलाओं के लिए मातृत्व के कठिन दौर में आर्थिक संबल का मजबूत माध्यम बन रही है। योजना का उद्देश्य मातृत्व का सम्मान करते हुए प्रसूता महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं के बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सहायता राशि सीधे हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में पहुंचने से योजना में पारदर्शिता के साथ-साथ जरूरत के समय तत्काल आर्थिक सहयोग सुनिश्चित हो रहा है। इस योजना का सकारात्मक प्रभाव बस्तर जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों में भी दिखाई दे रहा है। बकावंड विकासखंड के ग्राम सोनपुर निवासी श्रीमती बालिका के लिए दूसरी संतान के जन्म के अवसर पर योजना से मिली सहायता आर्थिक राहत का आधार बनी। बैंक खाते में सीधे सहायता राशि पहुंचने से प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों के खान-पान, पोषण एवं आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में परिवार को काफी मदद मिली।

स्मार्ट मीटर में गड़बड़ी को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने सीएम को लिखा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर को लेकर सियासत और तेज हो गई है। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने स्मार्ट मीटर में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। महंत ने मुख्यमंत्री को दस्तावेज सौंपते हुए स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों की जांच कराने की मांग की है। महंत ने दावा किया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद प्रदेश के कई उपभोक्ताओं के बिजली बिल दो से चार गुना तक बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि हजारों उपभोक्ताओं ने लिखित शिकायतों के साथ मीटर की रीडिंग से संबंधित वीडियो और अन्य प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कई मामलों में घर के सभी बिजली उपकरण बंद होने के बावजूद स्मार्ट मीटर में यूनिट बढ़ने की शिकायत सामने आई है। उन्होंने इसे सामान्य तकनीकी समस्या मानने के बजाय मीटर के सॉफ्टवेयर और प्रोग्रामिंग की जांच का विषय बताया। महंत ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पर जल्दबाजी में स्मार्ट मीटर लगाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि मीटरों की गड़बड़ी का खामियाजा सीधे आम उपभोक्ताओं को बढ़े हुए बिजली बिल के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

डकैती की योजना बनाते पांच आरोपी गिरफ्तार किए

रायपुर। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, झपटमारी, अवैध शराब और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की है। खम्हारडीह पुलिस ने कचना तालाब के पास खेल मैदान में डकैती की योजना बनाते पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियारों सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। वहीं राजेंद्र नगर पुलिस ने गांजा और अवैध शराब के मामले में कार्रवाई की, जबकि डीडी नगर पुलिस ने नशीली प्रतिबंधित गोलियां जब्त की हैं। खम्हारडीह थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कचना तालाब के पास कुछ लोग डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस के मुताबिक मौके पर पांच आरोपी मिले, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक टाटा एस वाहन, तीन धारदार चाकू, दो कैंची, स्टील का पाइप और लोहे का गंडासा बरामद किया गया। मामले में पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में महोबा बाजार ओवरब्रिज के पास मोबाइल झपटमारी का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार जितेश साहू मोबाइल पर बात करते हुए पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल सवार अज्ञात व्यक्ति आया और उनके हाथ में रखा वीवो कंपनी का मोबाइल फोन, जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये थी, झपटकर फरार हो गया।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाओं पर जोर

बेहतर शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान करना हमारी प्राथमिकता

- वनांचल की प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने से खुलेंगे सफलता के नए द्वार

रायपुर/ संवाददाता

वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने की है। विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी का भाव देना भी जरूरी है। उक्त बाते स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने जिला प्रवास के दौरान पीएम श्री आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, मानपुर में आयोजित दैनिक भास्कर प्रतिभा सम्मान समारोह में कही। कार्यक्रम में उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भोजेश शाह मांडवी, जनपद सदस्य मानपुर श्रीमती रेणु टोंडिया, कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह, जनप्रतिनिधि श्री दिलीप वर्मा, श्री मदन साहू, श्री राजू टोंडिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में जवानों के शौर्य, साहस और समर्पण से आज छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त होने की

दिशा में आगे बढ़ चुका है। अब नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ क्षेत्र में विकास एवं निर्माण के कार्यों को गति देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव शिक्षा है। वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की भरमार है। यहां के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं सहित शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा साबित कर रहे हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए कैरियर काउंसलिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर सफलता की दिशा में आगे बढ़ सकें। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शिक्षा गुणवत्ता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से शासकीय विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वनांचल क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी दूर करने के साथ आधुनिक तकनीक का उपयोग भी बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास और ई-विद्या चैनल के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं विषय विशेषज्ञों की शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। जिन विद्यालयों में शौचालय अथवा अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता है, उनकी जरूरतों को चिन्हांकित कर वीबी-राम जी के माध्यम से पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की दीमक- सरकारी दावों के बीच 70 हजार से ज्यादा शिकायतें

भ्रष्टाचार की समस्या केवल कुछ सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, विनिर्माण, राजस्व, खनन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। किसी भी लोकतांत्रिक और विकासशील देश के लिए भ्रष्टाचार एक गंभीर चुनौती है। जब सार्वजनिक पद और संस्थाओं का उपयोग निजी लाभ के लिए होता है, तो वह व्यवस्था को पंगु बना देता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं, जिनमें घूसखोरी, धन की हेराफेरी, सरकारी कार्यों में अनियमितता, भाई-भतीजावाद और चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों में बदलाव भी शामिल हैं। देश ने आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन भ्रष्टाचार आज भी विकास की राह में बड़ी बाधा बना हुआ है। केंद्रीय सतर्कता आयोग की वर्ष 2025 की रिपोर्ट भी इसकी तस्दीक करती हैइसके मुताबिक, पिछले साल आयोग को सरकारी संस्थाओं के खिलाफ भ्रष्टाचार की 70 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें सबसे ज्यादा शिकायतें बैंक और रेलवे से जुड़ी थीं। ये आंकड़े सरकार के उन दावों की हकीकत बयान करते हैं, जिनमें कहा जाता है कि भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल किया जा रहा है। ऐसे में सवाल सिर्फ विकास के बाधित होने या सरकारी धन के दुरुपयोग का ही नहीं है, बल्कि सरकार पर जनता के भरोसे को लेकर बढ़ते संकट का भी है।भ्रष्टाचार की समस्या केवल कुछ सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, विनिर्माण, राजस्व, खनन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। इस कारण आम नागरिक को कई बार अपने जरूरी कार्यों के लिए भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, सरकारी सेवाओं को डिजिटल और सरल बनाने पर जोर दिया जा रहा है, मगर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव आज भी साफ नजर आता है और यही भ्रष्टाचार के खात्मे में सबसे बड़ी रुकावट है। केंद्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल देश के विभिन्न बैंकों में भ्रष्टाचार से जुड़ी सबसे अधिक 9,933 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 9,520 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। इसी तरह रेलवे से संबंधित 9,381 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 8,754 शिकायतों का निपटारा किया गया। तीसरे स्थान पर आवास और शहरी मामलों का विभाग है, जिसकी 6,531 शिकायतें आयोग के पास दर्ज हुईं। ये तीनों सरकारी महकमे ऐसे हैं, जिनसे आम लोगों का सबसे ज्यादा सरोकार रहता है।भ्रष्टाचार की दीमक किस तरह फैल रही है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर ईमानदारी और नैतिक मूल्यों में गिरावट तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलता, कमजोर निगरानी और दोषियों को समय पर सजा न मिलने से भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया।

मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा- भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

(ललित गर्ग)

मोहन भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ।

न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है।

भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए। संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए।

अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है। मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। यह यात्रा संघ के लिए एक उजाला इसलिए बनी है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है। आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। भागवत के अमेरिकी संबोधन में भारत की इसी भूमिका की कल्पना दिखाई दी-एक ऐसा भारत जो अपनी परंपरा के बल पर विश्व को सह-अस्तित्व, संवाद और एकात्मता का रास्ता दिखा सके। मोहन भागवत की यह यात्रा इसलिए स्मरणीय रहेगी कि उसने संघ के बारे में चल रही बहस को भारत की सीमाओं से निकालकर विश्व के सार्वजनिक विमर्श में पहुंचा दिया। अब संघ की पहचान केवल उसके विरोधियों के आरोपों या समर्थकों के दावों से नहीं, बल्कि उसके विचार, उसके व्यवहार और समाज के साथ उसके संवाद से तय होगी। अंततः किसी विचारधारा की सबसे बड़ी शक्ति उसका प्रचार नहीं, उसका आचरण होता है। अमेरिका की धरती से भागवत ने जो संदेश दिया है, उसकी वास्तविक कसौटी भारत की धरती पर सामाजिक समरसता, सेवा, संवाद और सह-अस्तित्व के रूप में दिखाई देगी। यदि यह संदेश व्यवहार में उतरता है, तो यह केवल संघ की छवि को नहीं, भारत की वैश्विक सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाई दे सकता है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संघ प्रमुख ने अपने विदेश प्रवास में दिया मानवता का संदेश

विगत दिनों अमेरिकन हिंदूज़ फार एंगेजमेंट एंड डायलॉग संस्था द्वारा न्यूयॉर्क स्थित मेडीसिन स्क्वायर गार्डन में आयोजित यूनीवर्सल वननेस सेलिब्रेशन (वन वर्ल्ड वन ह्यूमेनिटी) कार्यक्रम में व्याख्यान देने हेतु संघ प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका पहुँचने के पूर्व ही वहाँ संघ के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त जो सुनियोजित अभियान छेड़ा गया वह मोहन भागवत के इस बहुप्रतीक्षित अमेरिका प्रवास को आशातीत सफलता प्रदान करने में बहुत मददगार साबित हुआ। मोहन भागवत का पुरज़ोर करने वालों में सबसे प्रमुख नाम न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी का था जिन्हें यह यह भी नहीं मालूम था कि संघ प्रमुख के प्रस्तावित कार्यक्रम को अनुमति न देने का अधिकार न्यूयॉर्क के मेयर के पास नहीं है।अमेरिका में संघप्रमुख के कार्यक्रम को विफल बनाने के लिए की गई उनकी अवांछनीय बयानबाजी को न्यूयॉर्क में न केवल बड़े पैमाने पर नापसंद किया गया बल्कि उस बयानबाजी ने दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति के विचार जानने के लिए उत्सुक न्यूयॉर्क शहर के लोगों की जिज्ञासा को और बढ़ा दिया। परिणाम यह हुआ कि संघ प्रमुख के द्वारा इस कार्यक्रम में व्यक्त किए गए विचारों ने न्यूयॉर्क के बडबोले मेयर की बोलती ही बंद कर दी और अब उन विचारों की गूँज आज सारी दुनिया में सुनाई दे रही है तब शायद न्यूयॉर्क के जोहरान ममदानी को भी यह आभास हो गया होगा कि संघ प्रमुख का यह बहुप्रतीक्षित अमेरिका - प्रवास न्यूयॉर्क से अखिल विश्व को मानवता का संदेश देने के लिए हुआ था। बेहतर होता कि जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क शहर में संघ प्रमुख के इस सफल कार्यक्रम के पश्चात् ,रस्म अदायगी के लिए ही सही, अमेरिकन हिन्दूज फार एंगेजमेंट एंड डायलॉग संस्था के प्रति आभार व्यक्त कर देते। आखिरकार, यह एक ऐसा आयोजन था जिसपर सारी दुनिया की नजरें टिकी हुई थीं। जोहरान ममदानी सहित जो मुट्ठी भर संस्थाएं इस कार्यक्रम का विरोध कर रही थीं उनसे अब यह सवाल तो पूछा ही जा सकता है कि संघ प्रमुख ने कार्यक्रम के मंच से अपने संबोधन में सारी दुनिया को मानवता का जो संदेश दिया क्या वह आज की उथल पुथल भरी दुनिया में पूरी तरह प्रासंगिक नहीं है।जोहरान ममदानी सहित कुछ महत्वहीन संस्थाओं के अनपेक्षित विरोध के बावजूद मेडिसिन स्क्वायर गार्डन में 39 राज्यों के 853 शहरों के लगभग 6000 हज़ार से अधिक प्रबुद्ध जन संघ प्रमुख के विचारों को सुनने के लिए पहुंचे और कार्यक्रम की शानदार सफलता सुनिश्चित करने में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया। गौरतलब है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत 2018 में भी वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस को संबोधित करने के लिए अमेरिका प्रवास पर गए थे जहां उन्होंने विश्व के 60 देशों से आए 2500 प्रतिनिधियों के समक्ष अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने पहले कार्य काल में जब अमेरिका प्रवास पर आज थे तब उन्होंने भी मेडिसिन स्क्वायर गार्डन में अपना पहला व्याख्यान दिया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर देश विदेश में किए जा रहे आयोजनों की श्रंखला के अन्तर्गत ग्लोबल आउटरीच प्रोग्राम के तहत न्यूयॉर्क में आयोजित कार्यक्रम के मंच से संघ प्रमुख ने एक ओर जहां सारी दुनिया को मानवता का संदेश दिया वहीं दो टूक लहजे में यह भी कहा कि अगर कोई हिन्दू यह सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए तो वह हिन्दू नहीं रह सकता। हिन्दू होने का मतलब यह मानना है कि सभी रास्ते एक ही लक्ष्य की ओर जाते हैं और हर इंसान की गरिमा एक समान है।संघ प्रमुख ने अपनी इस बात पर विशेष जोर दिया कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है। लोगों के नाम, शरीर, पूजा पद्धतियां अलग अलग हो सकती हैं परंतु हम सबको जोडने वाला सत्य एक ही है। सबके अंदर आत्मा है मौजूद है जो हमें एक दूसरे से जोड़ती है। भागवत ने कहा कि ब्रह्माण्ड और जीवन को संभालने वाली व्यवस्था धर्म है।यही व्यवस्था जीवन की अलग अलग स्थितियों में संतुलन बनाती है।

संघ प्रमुख ने कहा कि मनुष्य के पास जो सोचने की क्षमता है वह एक वरदान है परंतु असली महत्व इस बात का है कि हम किस तरह सोचते हैं। सही सोच हमें ईश्वर की ओर ले जाती है। संघ प्रमुख ने कहा कि प्रवासी भारतीयों की पहली जिम्मेदारी अपनी कर्मभूमि के प्रति है।उन्हें अपनी कर्म भूमि के प्रति वफादार रहते हुए भारत के मूल्यों को अपनाकर उसके अनुसार अपना जीवन जीवन जीना चाहिए। इसी क्रम में संघ प्रमुख ने आगे कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कितना कमाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम कितना बांटते हैं। भागवत ने कहा कि कमाई के साथ सेवा और आध्यात्मिक विकास भी होना चाहिए। भौतिक सुविधाएं स्थायी सुख और संतुष्टि प्रदान नहीं कर सकतीं।संघ प्रमुख ने व्यक्ति, समाज और पर्यावरण के समान रूप से विकास पर जोर देते हुए कहा कि इसी तरह मनुष्य के शरीर, मन और बुद्धि का विकास भी आवश्यक है। संघ प्रमुख ने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि हर देश का एक मकसद और एक नियति होती है। भारत की नियति दुनिया को यह एहसास कराना है कि हम एक हैं। 99कृष्णमोहन झा/

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

बाघ बचेंगे तो जंगल बचेंगे- संरक्षण के बावजूद क्यों बढ़ रही है उनके सामने चुनौती

दरअसल, मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। यही कारण है कि जो बाघ कभी बहुतायत में पाए जाते थे, आज वे दुनिया भर में कम होते जा रहे हैं। पिछली एक सदी में दुनिया भर से लाखों की संख्या में बाघ या तो शिकारियों द्वारा मारे जा चुके हैं या आपसी संघर्ष, बीमारी या किसी अन्य कारण से उनकी मौत हो गई। भारत समेत विभिन्न देशों की सरकारों, एजेंसियों और संगठनों की तमाम घोषणाओं, दावों और वादों के बावजूद दुनिया भर में बाघों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। बाघों की इस दुर्दशा के कारण ही अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने इन्हें विलुप्ति की कगार पर खड़े जीवों की श्रेणी में डाल रखा है।

(चेतनादित्य आलोक)

मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। देश में बाघों के संरक्षण को लेकर सरकार की ओर से कई कार्यक्रम और योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन धरातल पर इनका असर अपेक्षा के अनुरूप देखने को नहीं मिल रहा है। इसका एक कारण इस वन्य प्राणी को लेकर मानव समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण का अभाव है। जबकि सच तो यह है कि बाघ हमारे पर्यावरण और प्रकृति के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए भी उपयोगी हैं। ये जीव पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं, क्योंकि आहार जगत में इन्हें शिकारी के रूप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

जंगल में इनका भोजन भंडार सबसे बड़ा होता है। इसलिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका होती है। ऐसे में यदि कभी इस पृथ्वी से बाघ समाप्त हो जाएं, तो इससे पूरा पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में पड़ जाएगा। बाघों की अनुपस्थिति में शाकाहारी प्राणियों की आबादी बढ़ जाएगी और आहार चक्र में असंतुलन पैदा होगा। जाहिर है, शाकाहारियों की अधिकता से वनस्पति का नुकसान होगा, जिससे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।

वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, एक हिरण को सर्दियों के मौसम में भोजन के लिए औसतन प्रतिदिन 2.3 किलोग्राम वनस्पति की आवश्यकता होती है। वहीं, गर्मियों में इसकी मात्रा दोगुनी हो जाती है। कुल मिलाकर एक हिरण को एक वर्ष में वनस्पतियों से युक्त एक हजार किलोग्राम से अधिक भोजन की आवश्यकता होती है। वहीं, एक बाघ को अपना पेट भरने के लिए प्रति वर्ष औसतन पचास हिरण के आकार के जानवर या लगभग तीन हजार किलोग्राम जीवित शिकार की जरूरत होती है। यानी एक बाघ प्रति वर्ष पचास हिरणों को खाकर पृथ्वी पर लगभग पचास हजार किलोग्राम वानस्पतिक भोजन बचाता है, जो जंगल में शेष हिरणों अथवा अन्य शाकाहारी प्राणियों के जीवन यापन के लिए तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस दृष्टि से जैव विविधता के संरक्षण एवं जंगलों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने यानी प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भी बाघों का विशेष योगदान है।

दरअसल, मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। यही कारण है कि जो बाघ कभी बहुतायत में पाए जाते थे, आज वे दुनिया भर में कम होते जा रहे हैं। पिछली एक सदी में दुनिया भर से लाखों की संख्या में बाघ या तो शिकारियों द्वारा मारे जा चुके हैं या आपसी संघर्ष, बीमारी या किसी अन्य कारण से उनकी मौत हो गई। भारत समेत विभिन्न देशों की सरकारों, एजेंसियों और संगठनों की तमाम घोषणाओं, दावों और वादों के बावजूद दुनिया भर में बाघों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। बाघों की इस दुर्दशा के कारण ही अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने इन्हें विलुप्ति की कगार पर खड़े जीवों की श्रेणी में डाल रखा है।

भारत की बात करें, तो इस वर्ष जनवरी से मार्च के बीच 42 बाघों की मौत हुई। यह आंकड़ा वन्यजीव, विशेष रूप से बाघ संरक्षण को लेकर देश के संवेदनशील नागरिकों एवं पशु प्रेमियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इतिहास के पन्नों पर नजर डालें, तो वर्ष 1900 में देश में बाघों की संख्या 40 हजार से भी ज्यादा थी, जबकि आज इनकी संख्या घट रही है। भारत में बाघों की इस दुर्दशा के लिए विशेष रूप से ब्रिटिश सरकार की वन्यजीव विरोधी नीतियां जिम्मेदार रही हैं। वर्ष 1906 में प्रकाशित सीडब्लू मरफी की पुस्तक 'अ गाइड टू नैनीताल एंड कुमाऊं' में कुछ सूचियां और सरकारी नियमावलियां दी गई हैं, जो वन्यजीवों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर व्यवहार को दर्शाती हैं।

ब्रिटिश राज में वन्यजीवों की हत्या करने पर सरकार की ओर से इनाम दिए जाते थे, जिनमें आठ आने से लेकर दस रुपए तक के इनाम निर्धारित थे। इनमें सर्वाधिक दस रुपए के इनाम भेड़ियों और बाघों को मारने पर दिए जाने का प्रावधान था। भारत में बाघों के संरक्षण एवं निगरानी का कार्य राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को सौंपा गया है। यह केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधीन देश में बाघों के संरक्षण एवं निगरानी को पेशेवर रूप देने के उद्देश्य से दिसंबर, 2005 में गठित प्रमुख वैधानिक संस्था है। बाघों के संरक्षण एवं निगरानी के कार्य में लगातार सुधार करते हुए इसे और अधिक बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाना इस प्राधिकरण के लक्ष्यों में शामिल है।

जाहिर है, अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए देश के विभिन्न राज्यों में 'प्रोजेक्ट टाइगर' का संचालन एवं संरक्षण योजनाओं को मंजूरी देने के अतिरिक्त बाघों के आवासों की निगरानी तथा मानव एवं वन्यजीवों के बीच होने वाले संघर्षों के समाधान ढूंढने में भी यह प्राधिकरण महत्त्वपूर्ण भूमिकाएं निभाता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में बाघों की संख्या में हुई उत्साहजनक वृद्धि केवल प्राधिकरण तथा अन्य वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों की संरक्षण नीतियों और योजनाओं का ही परिणाम नहीं है, बल्कि आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक से युक्त बाघ संरक्षण प्रणाली और जनभागीदारी के सफल प्रयोग का भी नतीजा है। पिछले एक दशक में विज्ञान और तकनीक ने देश में बाघ संरक्षण की तस्वीर बदल दी है। इससे पहले वन कर्मियों को कई दिनों तक जंगलों में पैदल घूमकर वन्यजीवों के पगचिह्नों के आधार पर अनुमान लगाना पड़ता था, जबकि आज आधुनिक तकनीकों ने बाघ संरक्षण को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने का कार्य किया है।

इन सभी तकनीकों में कैमरा ट्रैप बाघ संरक्षण के लिए प्रयुक्त होने वाली सबसे विश्वसनीय प्रणाली मानी जा रही है। वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों की नीतियों, योजनाओं एवं आधुनिक तकनीकों के उपयोग सहित सरकार के अधीन बाघ संरक्षण के लिए किए जाने वाले समेकित प्रयासों से देश में बाघों की संख्या में वृद्धि हुई, जिसने आज वैश्विक मंच पर भारत को एक सकारात्मक पहचान दिलाने का कार्य किया है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2006 में जहां देश में केवल 1,411 बाघ थे, वहीं 2022 तक यह संख्या बढ़कर 3,682 हो गई। वैसे 2025 में देश में कुल 167 बाघों की मौतें भी दर्ज की गईं, जिनमें 31 शावक शामिल थे। पिछले चार वर्षों में बाघों की कुल संख्या के अनुपात में मृत्यु दर पांच फीसद से नीचे है, जिसे संरक्षण की दृष्टि से सकारात्मक माना जा रहा है।

आज दुनिया भर के जंगलों में लगभग 5,574 बाघ ही बचे हुए हैं, इनमें लगभग तीन-चौथाई बाघ भारत में हैं। 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2010 से 2022 तक भारत में बाघों की अनुमानित संख्या 1,706 के मुकाबले 2025 में दोगुनी से भी अधिक 3,700 के लगभग पहुंच गई। हालांकि, यह आंकड़ा अभी संतोषजनक स्थिति से बहुत कम है। बाघ संरक्षण के कार्य में चुनौतियां आज भी कायम हैं। सबसे जरूरी है बाघों के प्राकृतिक आवास को बचाना। विकास के नाम पर वनों की अंधाधुंध कटाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट हो रहा है और वे भोजन की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मानव के साथ उनका संघर्ष भी बढ़ रहा है।

नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित हुई डालिमा गौर सुकमा के उत्कृष्ट कार्यों को भी मिली पहचान

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की रजत जयंती के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रदेश की 50 महिलाओं एवं संस्थाओं को 'नारी शक्ति सम्मान' से सम्मानित किया गया। विगत दिनों अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित समारोह में महिला सशक्तिकरण एवं समाजहित के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए डालिमा गौर को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

डालिमा गौर के उत्कृष्ट कार्यों को मिली सम्मान की पहचान

डालिमा गौर को उनके द्वारा महिला सशक्तिकरण, समाजहित, नेतृत्व एवं सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में किए जा रहे उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्यों के लिए 'नारी शक्ति सम्मान-2026' से नवाजा गया। सम्मान के रूप में उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रतीक प्रदान किया गया। यह सम्मान डालिमा गौर के सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण और महिलाओं के हित में किए जा रहे कार्यों को मिली महत्वपूर्ण पहचान है। उनके इस सम्मान से परिवार, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है।

सखी वन स्टॉप सेंटर सुकमा को भी मिला सम्मान

इसी समारोह में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के क्षेत्र में सखी वन स्टॉप सेंटर, सुकमा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सुकमा द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर सुकमा को 'नारी शक्ति सम्मान' प्रदान किया गया। यह सम्मान महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षण, सहायता तथा उन्हें आवश्यक सेवाओं से जोड़ने की दिशा में सुकमा जिले में किए जा रहे कार्यों की सराहना है।

दीपिका शोरी ने की डालिमा गौर के कार्यों की सराहना

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं बस्तर संभाग प्रभारी अधिवक्ता दीपिका शोरी ने डालिमा गौर को बधाई देते हुए कहा– डालिमा गौर द्वारा समाजहित, महिला सशक्तिकरण और सकारात्मक बदलाव की दिशा में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणादायी हैं। उनका यह सम्मान निश्चित रूप से अन्य महिलाओं को भी समाज के लिए बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर सुकमा को मिले सम्मान के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की पूरी टीम को भी बधाई दी और कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव रखते हैं।

केदार कश्यप के 17 साल के कार्यकाल पर विधायक विक्रम मंडावी का हमला कहा- बस्तर की उपेक्षा के लिए याद किया जाएगा आपका कार्यकाल

बीजापुर। प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा छत्तीसगढ़ में सबसे लंबे समय तक कैबिनेट मंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने पर बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने बधाई देते हुए तीखा हमला बोला है। विधायक मंडावी ने फेसबुक पर पोस्ट कर पूछा है कि 17 साल 8 महीने मंत्री रहने के बाद भी बस्तर को आपने क्या दिया? विधायक ने पोस्ट में लिखा- केदार कश्यप जी छत्तीसगढ़ में सबसे लंबे समय तक कैबिनेट मंत्री बनने का खिताब आपको मिल रहा है, मेरी तरफ से भी आपको बधाई। चार बार मंत्री पद की शपथ ली, मंत्री के रूप में आदिवासी विभाग, वन विभाग समेत कई महत्वपूर्ण विभाग संभाले, 6,472 दिन (17 वर्ष 8 महीने) का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अब बस्तर संभाग के आम गाँव गरीब आदिवासी, युवा बेरोजगार, महिला, छोटे व्यापारी, छात्र आपसे जानना चाहते हैं कि बस्तर संभाग को आपने 17 वर्ष 8 महीने में क्या दिया? बस्तर की किस मुद्दे को लेकर आपने आवाज उठाई? बस्तर के समस्याओं को लेकर आप हमेशा मौन रहते है? नारायणपुर जिले के बदहाल सड़को का ज़िम्मेदार कौन है? बस्तर का युवा और बेरोजगार काम की तलाश में पलायन कर रहा है, भ्रष्टाचार पर आप हमेशा मौन रहते हैं, बस्तर संभाग में आदिवासियों की जमीने हड़पी जा रही हैं, बस्तर का आदिवासी लगातार ठगा जा रहा है, स्कूल भवन जर्जर अवस्था में है शिक्षकों की भारी कमी है बस्तर की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बस्तर संभाग का स्वास्थ्य व्यवस्था और अस्पतालों की बदहाल स्थिति सिवाय आपके किसी से छिपी नहीं है। डेढ़ दशक से भी अधिक का आपका यह कार्यकाल बस्तर वासियों की उपेक्षा के लिए हमेशा याद किया जाएगा। विधायक मंडावी के इस पोस्ट के बाद बस्तर की सियासत गरमा गई है। उनके समर्थकों ने पोस्ट को जमकर शेयर करते हुए वन मंत्री से बस्तर के विकास पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है।

अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी, मॉनिटरिंग सेल एवं नेशनल लोक अदालत के संबंध में कोण्डागांव जिले के अधिकारियों का बैठक हुआ सम्पन्न

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिंगरी के अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी एवं मॉनिटरिंग सेल एवं हिट एण्ड रन व नेशनल लोक अदालत की बैठक मध्यस्थता कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अपर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम प्रताप चंद्रा, कलेक्टर कोंडागांव नुपूर-राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेशमा बैरागी पटेल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गायत्री साय, लोक अभियोजन अधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग, प्रशासनिक अधिकारी व न्यायालय अधीक्षक सम्मिलित रहे। अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी- अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक के दौरान ऐसे बंदियों के मामलों पर विशेष रूप से चर्चा की गई, जो लंबे समय से विचाराधीन है, जिनकी जमानत हो चुकी है परंतु वे, जमानत की शर्तें पूरी नहीं कर पा रहे हैं, अथवा जिनकी सजा की अधिकतम अवधि के सापेक्ष दे पर्याप्त समय जेल में बिता चुके हैं। न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र बंदियों के मामलों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा विधि के अनुरूप उन्हें राहत प्रदान की जाए। इसके साथ ही, बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा एवं न्याय तक उनकी सुगम पहुंच सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। मॉनिटरिंग सेल- मॉनिटरिंग सेल की बैठक में नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया शीघ्रता से करने हेतु प्रधान न्यायाधीश द्वारा कलेक्टर कोण्डागांव को निर्देश दिए गए। साथ ही मेगा ड्राइव के तहत ग्राम तोतर में प्रत्येक सप्ताह के दिन गुरुवार एवं शुक्रवार को अन्य विभाग के द्वारा कैंप लगवाने में सहयोग किए जाने एवं संबंधित विभाग को कैंप लगवाए जाने हेतु निर्देशित किये जाने के संबंध में चर्चा की गई। नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में राजस्व मामलों को अधिक से अधिक संख्या में रखकर मामलों को निपटारा करने हेतु न्यायाधीश महोदय द्वारा निर्देशित किया गया साथ ही पुलिस विभाग को ट्रैफिक चालान को नेशनल लोक अदालत में रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बस्तर संभाग में पहली बार यूट्यूबर एवं पत्रकारिता के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कोण्डागांव। सर्व आदिवासी समाज, जिला युवा प्रभाग कोण्डागांव द्वारा बस्तर संभाग में पहली बार यूट्यूबर, एवं पत्रकारिता से संबंधित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण गोंडवाना भवन, फरसगांव, में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कोण्डागांव जिले के सभी ब्लॉकों से बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में पत्रकारिता, समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, डिजिटल मीडिया, एवं कैमरा प्रबंधन सहित मीडिया के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र एवं समाज के युवाओं की छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारना तथा उन्हें आधुनिक डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म से जोड़ना एवं अपने क्षेत्र की समस्याओं, उपलब्धियों, सामाजिक मुद्दों, आदिवासी संस्कृति, परंपराओं एवं विकास से जुड़े विषयों को जिम्मेदारी एवं प्रभावी ढंग से रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता भूपेंद्र नेताम ने युवाओं को संवैधानिक अधिकारों एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। पत्रकारिता एवं रिपोर्टिंग विषय पर पत्रकार एवं दूरदर्शन-आकाशवाणी से जुड़े प्रमोद पोटाई, नारायणपुर ने प्रतिभागियों को समाचार लेखन, रिपोर्टिंग तथा पत्रकारिता के सभी पहलुओं की बारीकी से जानकारी दी गई। लक्ष्मण बघेल जगदलपुर, के द्वारा भी मीडिया एवं पत्रकारिता एवं आर टी आई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिले के सभी ब्लॉक से लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। युवाओं ने भविष्य में अपने गांव एवं क्षेत्र की सकारात्मक गतिविधियों, स्थानीय समस्याओं, उपलब्धियों तथा बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को डिजिटल माध्यमों से व्यापक स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग, जिला इकाई कोण्डागांव के अध्यक्ष धनू सलाम ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आने वाले समय में युवा अपने ग्रामीण क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं, उपलब्धियों, अपनी संस्कृति एवं जिम्मेदारी के साथ व्यापक स्तर तक पहुंचा सकेंगे।

विकसित भारत यूथ लीडर डायलॉग 2027 के अंतर्गत क्विज

कोण्डागांव। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रम के विकसित भारत चैलेंज ट्रैक युवाओं के विचारों एवं नवाचारी सुझावों को विकसित भारत /2047 के लक्ष्य से जोड़ने हेतु प्रमुख मंच है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में विकसित भारत क्विज का आयोजन 17 अगस्त से 16 सितंबर तक माई भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जा रहा है। उक्त क्विज में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा पात्र है तथा क्विज में चयनित प्रतिभागी आगामी चरण में निबंध एवं प्रस्तुतीकरण की प्रक्रिया में सम्मिलित होंगे। अतः यह गतिविधि युवाओं को जिला स्तर से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा एवं विचार प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से मिली बड़ी राहत, अब नहीं आता बिजली बिल

दंतेवाड़ा। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जिले के नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से लोग स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के साथ-साथ बिजली खर्च में भी उल्लेखनीय बचत कर रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले के बड़े तुमनार निवासी कैलाश कुमार देवांगन इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं। कैलाश कुमार देवांगन ने मार्च 2026 में अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया। वे अपने गांव के पहले हितग्राही हैं जिन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लिया। कैलाश देवांगन वर्तमान में गीदम विकासखंड के ग्राम मोफलनार स्थित माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। कैलाश बताते हैं कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1000 से 1200 रुपये तक आता था। हालांकि सोलर पैनल स्थापित होने के बाद से उन्हें बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ रहा है। उनके अनुसार घर में चार सदस्य रहते हैं और उनकी आवश्यकताओं के लिए 3 किलोवाट का सोलर संयंत्र पर्याप्त है। पहले घर में लगभग 200 यूनिट बिजली की खपत होती थी, जिसका भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब सौर ऊर्जा के कारण यह खर्च लगभग समाप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि मार्च माह में शिक्षकों की एक बैठक के दौरान पीएम सूर्य घर योजना की विस्तृत जानकारी दी गई थी, जिसमें वे भी शामिल हुए थे। योजना के लाभ और संभावनाओं को समझने के बाद उन्होंने अपने घर की जरूरतों के अनुसार सोलर संयंत्र लगाने का निर्णय लिया। इसके सकारात्मक परिणामों का अनुभव कर रहे हैं। देवांगन का कहना है कि सरकार द्वारा योजना के तहत प्रदान की जा रही सब्सिडी इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। इससे आम परिवारों के लिए सोलर संयंत्र स्थापित करना आसान हो गया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना का लाभ लें और अपने बिजली खर्च को कम करें। कैलाश कुमार देवांगन का मानना है कि यह योजना केवल आर्थिक रूप से ही लाभदायक नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका कहना है कि भविष्य में बिजली की मांग और दरों में वृद्धि होने की संभावना है, ऐसे में सौर ऊर्जा अपनाने वाले परिवारों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा का उपयोग आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेगा। जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग ने नागरिकों से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने की अपील की है। यह योजना घरों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ हरित एवं टिकाऊ विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अपूर्ण आवास 30 सितंबर तक पूर्ण कराने के निर्देश

नारायणपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद नारायणपुर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका क्षेत्र के ऐसे हितग्राहियों के आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई, जिनके आवास अभी तक पूर्ण नहीं हो सके हैं। बैठक में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, पार्षदगण संजय नंदी, रमशिला नाग, कृति पोटाई, संतोष गोटा, कमलापति मिश्र एवं कौशल बघेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव तथा अभियंता बसंत कुंजाम उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपूर्ण आवासों की स्थिति की जानकारी ली। हितग्राहियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा शेष कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए आवश्यक समझाइश एवं मार्गदर्शन दिया गया। नगर पालिका द्वारा हितग्राहियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने अपूर्ण आवासों का निर्माण कार्य 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 का लाभ निर्धारित समय-सीमा में प्राप्त हो सके। संबंधित कर्मचारियों को हितग्राहियों से निरंतर संपर्क बनाए रखने तथा आवास निर्माण कार्य की प्रगति की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका परिषद ने योजना के तहत शेष आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

हथियार छोड़ अपनाया हुनर, पुनर्वास नीति से बदली रानू राम की जिंदगी

कोंडागांव। कभी माओवादी संगठन से जुड़े ग्राम ठेटी मड़नार पंचायत मुँगवाल निवासी रानू राम नेताम ने अब हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास और सामान्य जीवन की राह अपना ली है। केंद्र और राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर रानू राम ने माओवादी संगठन से आत्मसमर्पण किया। इसके बाद शासन की पुनर्वास नीति के तहत उन्हें सुरक्षित वातावरण में रहते हुए अपनी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिला। आत्मसमर्पण के बाद रानू राम नेताम पुनर्वास केंद्र में रहकर अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने लगे। इसी दौरान उन्होंने लाइवलीहुड कॉलेज में ड्राइविंग का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने वाहन चलाने की बारीकियां सीखीं और सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

रानू राम बताते हैं कि अब वे पूरी तरह से गाड़ी चलाना सीख चुके हैं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके बाद रानू राम को सिक्योरिटी गार्ड के रूप में रोजगार का अवसर मिला और वर्तमान में वे सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहे हैं। वे बताते हैं कि यह नौकरी उनके जीवन में एक नया बदलाव लेकर आई है। नियमित रोजगार मिलने से उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में मदद मिल रही है और भविष्य को लेकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। रानू राम कहते हैं कि उनकी ड्यूटी रात के समय रहती है। इसलिए दिन में वे अपने घर जाते हैं और परिवार के साथ समय बिताने के साथ-साथ घर के कामकाज में भी हाथ बंटाते हैं। नौकरी के साथ अपने परिवार और घर की जिम्मेदारियों को निभाते हुए वे अब एक सामान्य और बेहतर जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं। रानू राम के जीवन में बदलाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने की दिशा में भी प्रयास कर रहे हैं। उनके घर में पहले से ट्यूबवेल था, लेकिन सिंचाई के लिए बिजली और अन्य संसाधनों की आवश्यकता रहती थी।

ठगों और दलालों के जाल में फंसा कांकेर का एक और किसान 18 लाख में बिकी पुश्तैनी जमीन, ट्रैक्टर भी जब्त, हाथ बचे सिर्फ 15 हजार

भानुप्रतापपुर। बैंकों के चक्कर काटते सीधे-साधे किसानों को अपनी मीठी बातों में फंसाकर लूटने वाले गिरोह का एक और खौफनाक कारनामा सामने आया है। दुर्गूकोंदल ब्लॉक के ग्राम एनहुर निवासी किसान लच्छू राम यादव के साथ हुई धोखाधड़ी की कहानी यह बताने के लिए काफी है कि जिले में जमीन दलालों और ठगों का सिंडिकेट कितना बेखौफ होकर काम कर रहा है। कम ब्याज पर लोन दिलाने के नाम पर शुरू हुआ यह खेल किसान की पुश्तैनी जमीन छीनने और उसे पूरी तरह कंगाल करने पर जाकर खत्म हुआ।

लोन दिलाने के बहाने मिली ठगों की कड़ी

किसान लच्छू राम यादव अपने ट्रैक्टर की रुकी हुई किश्तें चुकाने के लिए बैंक से लोन लेने के सिलसिले में लगातार चक्कर काट रहे थे। इसी दौरान बैंक के बाहर उनकी मुलाकात हर्ष यादव नाम के व्यक्ति से हुई। हर्ष यादव ने कम ब्याज दर पर पैसा दिलवाने का झांसा दिया और किसान का विश्वास जीतकर उनकी जमीन का पट्टा, आधार कार्ड और पैन कार्ड अपने पास जमा करा लिया। जब कई दिनों तक पैसे नहीं मिले और किसान ने संपर्क किया, तो पता चला कि उनका पूरा दस्तावेज कांकेर के जमीन दलालों तक पहुंच चुका था।

हाफ रजिस्ट्री के नाम पर छलावा, करा ली फुल रजिस्ट्री

कांकेर के जमीन दलाल हेमलाल बघेल ने किसान को जमीन गिरवी रखकर 18 लाख रुपये दिलाने की बात कही। इसके बाद किसान को 'हाफ रजिस्ट्री' (बंधक/अल्पकालिक दस्तावेज) कराने का झांसा देकर तहसील ले जाया गया, लेकिन झांसे में रखकर पूरी जमीन की 'फूल रजिस्ट्री' करा ली गई। रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसान को 18 लाख रुपये (कुछ नकद और कुछ बैंक खाते के जरिए) सौंप दिए गए। लेकिन असली साजिश का खेल उसी दिन से शुरू हुआ।

18 लाख रुपये की ऐसे हुई सुनियोजित 'लूट'

रजिस्ट्री व कमीशन का खेलः हाफरजिस्ट्री का झांसा देने की एवज में किसान से तत्काल 1.25 लाख रुपये ऐंठ लिए गए।

इसके तुरंत बाद दलालों ने अपना 'कमीशन' बताकर 2 लाख रुपये और वसूल लिए। पैसा डबल करने का हर्बल स्केमः इसके बाद दलाल हेमलाल बघेल ने किसान को भानुप्रतापपुर तक छोड़ा और झांसा दिया कि एक हर्बल कंपनी में 8 लाख रुपये लगाने पर पैसा डबल हो जाएगा, जिससे वे अपना ट्रैक्टर का कर्ज आसानी से चुका सकेंगे। किसान से 8 लाख रुपये और ऐंठ लिए गए। किसान के बैंक खाते में जो बची हुई राशि आई थी, दलालों ने पहले से लिए गए ब्लैंक चेक का इस्तेमाल कर 6.50 लाख रुपये खाते से निकाल लिए। इसके बाद टेमन साहू नामक व्यक्ति ने किसी अन्य काम का बहाना बनाकर 10 हजार रुपये और ले लिए। 18 लाख रुपये में बेची गई जमीन के बदले किसान के हाथ में अंततः महज 15 हजार रुपये बचे।

जमीन भी गई, पैसा भी गया और ट्रैक्टर भी खींच ले गया शोरूम

किसान लच्छू राम यादव ने जिस ट्रैक्टर की किश्त पटाने के लिए इस पूरी प्रक्रिया की शुरुआत की थी, किश्त न पट पाने के कारण शोरूम वाले उस ट्रैक्टर को भी उठाकर ले गए। आज किसान के पास न उसकी जमीन बची है, न पैसे और न ही ट्रैक्टर। यह घटना दर्शाती है कि जिले में बैंक परिसरों के आसपास दलालों का समानांतर नेटवर्क सक्रिय है, जो जरूरतमंद और भोले-भाले ग्रामीणों को चिन्हित कर शिकार बना रहा है।

छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज आया आगे, आंदोलन की चेतावनी

इस भीषण ठगी की खबर मिलते ही 'छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज' के प्रतिनिधियों ने पीड़ित किसान लच्छू राम यादव से मुलाकात की और घटना की पूरी जानकारी ली। पिछड़ा वर्ग समाज के नेताओं ने पीड़ित को हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा जताया है। पिछड़ा वर्ग समाज ने निर्णय लिया है कि जल्द ही आरोपी दलालों के खिलाफ संबंधित थाने में आपराधिक मामला दर्ज कराया जाएगा। पूरे मामले की लिखित शिकायत जिला कलेक्टर से की जाएगी।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 30 सितंबर तक

जशपुरनगर। जिले में अध्ययनरत कक्षा पहली से 12वीं तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद अप्लाई टु स्कालरशीप विकल्प में लॉगिन कर आधार का सत्यापन करना होगा। आधार सत्यापन के पश्चात मांगी गई आवश्यक जानकारी दर्ज कर आवेदन पूर्ण करना होगा। आवेदन के लिए मूल निवास प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, नवीनतम आय प्रमाण पत्र तथा पूर्व वर्ष की अंकसूची सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवेदन संबंधित विद्यालय की संस्था आईडी में प्रदर्शित होगा। विद्यालय के प्रधान पाठक अथवा प्राचार्य द्वारा आवेदन का सत्यापन कर उसे समाज कल्याण विभाग, जशपुर की आईडी में अग्रेषित किया जाएगा। इसके पश्चात समाज कल्याण विभाग द्वारा आवेदन को राज्य स्तर पर भेजा जाएगा और पात्र विद्यार्थियों को डीबीटी के माध्यम से छात्रवृत्ति की राशि उनके बैंक खाते में प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया के लिए संबंधित विद्यालय अथवा शैक्षणिक संस्था का एनसीपी पोर्टल पर पंजीयन होना आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

बेलतरा से रजनीश सिंह को बधाई देने पहुंचे उनके गृह निवास

बिलासपुर। रजनीश सिंह जिला सहकारी कोऑपरेटिव बैंक बिलासपुर के अध्यक्ष व पूर्व विधायक विधानसभा बेलतरा को आज जन्मदिन की बधाई के लिए उनके गृह निवास पौसरा में लोगों का तांता लगा रहा। वहीं बेलतरा से पहुंचे सरपंच सुरेश कश्यप, सलका समिति अध्यक्ष सुनील कश्यप, कृष्ण कुमार यादव, विजय साहू जनपद सदस्य, अनीश धीवर पूर्व जनपद सदस्य, परदेसी यादव एवं बुधराम सूर्यवंशी ने भी जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं भेंट कर उनको स्वस्थ व दीर्घायु की कामना की।

संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक 10 सितम्बर को

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक 10 सितम्बर को दोपहर 12 बजे संभागायुक्त कार्यालय कोनी के सभाकक्ष में रखी गई है। बैठक में संभाग के वृहद जलाशयों में जल भराव की स्थिति, रबी सिचाई उपलब्धि तथा खरीफ सिचाई लक्ष्य का निर्धारण, खाद बीज एवं कीटनाशक की उपलब्धता जैसे बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना : जिले के 386 श्रद्धालु करेंगे तीर्थदर्शन

बिलासपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत जिले के तीर्थयात्रियों का दल 21 सितम्बर को रेलवे स्टेशन से मथुरा, वृंदावन एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए रवाना होंगे। यह यात्रा 21 सितंबर से 24 सितंबर 2026 तक चलेगी। इस यात्रा में जिले के 375 तीर्थयात्री एवं 11 शासकीय अनुरक्षक शामिल होंगे। सभी श्रद्धालुओं को निर्धारित तिथि पर बिलासपुर रेलवे स्टेशन से तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु मथुरा, वृंदावन एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजन, परित्यक्ता एवं विधवा श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

कोरबा जिला जेल में गूंजे साक्षरता के गीत, कैदियों को संगीत के जरिए पढ़ाई के लिए किया प्रेरित

कोरबा। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस से पहले कोरबा जिले में साक्षरता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत स्कूल-कॉलेजों के साथ सार्वजनिक स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, लोकगीत और संगीत के माध्यम से लोगों को शिक्षा और साक्षरता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में कोरबा जिला जेल में भी विशेष साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगीत और लोकगीतों के माध्यम से जेल में निरुद्ध लोगों को पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित किया गया। लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति से जेल परिसर में ऐसा माहौल बना कि कैदी भी मंत्रमुग्ध होकर कार्यक्रम से जुड़े रहे। कार्यक्रम में शिक्षक कृष्णानंद चैहान ने छत्तीसगढ़ का राज्यगीत 'अरपा पैरी के धार' और शिक्षा प्रेरणा गीत 'चला दीदी पढ़े बर जाबो' प्रस्तुत किया। वहीं सत्यनारायण मनहर ने 'चलव ओ दीदी, चलव वो बहनी, स्कूल पढ़े जाना है' और 'झोला दे दे दीदी, ओ पाठशाला जाबो न' जैसे लोकगीतों की प्रस्तुति देकर शिक्षा के महत्व का संदेश दिया। गीत-संगीत में कृष्णा वैष्णव और पवन सिंह चैहान ने ढोलक पर संगत दी। लोकधुनों के जरिए साक्षरता का संदेश देने का यह प्रयास कार्यक्रम में मौजूद लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर जिला परियोजना अधिकारी ज्योति शर्मा ने कहा कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से जिले के असाक्षर लोगों को साक्षर बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साक्षर होने के बाद व्यक्ति अपने अधिकारों को बेहतर ढंग से समझने के साथ ही नौकरी सहित विभिन्न अवसरों के लिए आवेदन भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का शिक्षित और साक्षर होना जरूरी है। साक्षरता व्यक्ति के जीवन में आत्मविश्वास और जागरूकता लाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 2 महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए बड़ी सौगात,रेल विकास को मिली नई गति!

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की 3 महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत ?10,783 करोड़ है तथा इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूरा करने की योजना है। इनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 02 मल्टीट्रैकिंग परियोजना 1. कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन तथा 2. बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इन दोनों परियोजनाओं की कुल लंबाई 288 किलोमीटर तथा कुल लागत ?4,254 करोड़ है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, ट्रेनों की गतिशीलता और परिचालन में सुधार होगा तथा यात्री एवं माल परिवहन को अधिक सुगम, तेज और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं का सीधा लाभ छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, रायगढ़ सहित अनेक प्रमुख शहरों तथा मध्य प्रदेश के अनूपपुर, शहडोल आदि क्षेत्रों को मिलेगा। अतिरिक्त रेल लाइन उपलब्ध होने से इन क्षेत्रों से उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों के संचालन में अधिक सुविधा होगी तथा यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम यात्रा का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही, रेल मार्ग की क्षमता बढ़ने से अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की संभावनाएं भी सुदृढ़ होंगी। कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन- 201 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की लागत ?2,975 करोड़ है। परियोजना के पूर्ण होने से प्रतिवर्ष लगभग ?322 करोड़ की लॉजिस्टिक लागत बचत तथा 14.42 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी का अनुमान है। इस रेल लाइन के विस्तार से अमरकंटक, बांधवगढ़, जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुंच को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना से लगभग 68 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजन की संभावना है। बिलासपुर (उसलापुर)पेंड्रा रोड तीसरी लाइन- 87 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की लागत ?1,279 करोड़ है। इसके पूर्ण होने से प्रतिवर्ष लगभग ?96.2 करोड़ की लॉजिस्टिक लागत बचत तथा 4.3 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी का अनुमान है। यह परियोजना अचानकमार, अमरकंटक, खुटाघाट, मल्हार और रतनपुर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए बेहतर रेल संपर्क को बढ़ावा देगी। परियोजना से लगभग 30 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजन की संभावना है। इन दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र में रेल आधारभूत संरचना का व्यापक विस्तार होगा। यात्री सुविधाओं और कनेक्टिविटी में सुधार के साथ ट्रेनों की गतिशीलता बढ़ेगी, यात्रा अधिक सुगम होगी तथा छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से उत्तर भारत के बीच संपर्क और मजबूत होगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ उद्योग एवं व्यापार के विस्तार, माल परिवहन की क्षमता में वृद्धि और नए रोजगार अवसरों के सृजन को भी गति मिलेगी। इस प्रकार ये परियोजनाएं क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक विकास तथा औद्योगिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करेंगी।

इशांक शिल्लेदार ने UCMAS नेशनल प्रतियोगिता में बढ़ाया शहर का मान

बिलासपुर। रतनपुर के वार्ड क्रमांक 4, बड़ी बाजार निवासी इशांक शिल्लेदार ने मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता UCMAS India National Competition 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रतनपुर का नाम गौरवान्वित किया है। इशांक ने प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी हासिल की। पुरस्कार समारोह में इशांक को मंच पर सम्मानित किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों एवं अतिथियों में [illegible] के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रोफेसर डाक्टर डिनो वोंग मलेशिया और यूरो इंडिया बिजनेस के अध्यक्ष बालचंद्र राव राणे के द्वारा उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया। इशांक पंकज शिल्लेदार के पुत्र हैं। उनका जन्म 9 जुलाई 2018 को हुआ है। इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उपलब्धि हासिल करने पर परिवार गौरवान्वित है साथ ही उनकी शिक्षिका श्रीमती अंजली बग्गा, भिलाई और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। इशांक की इस उपलब्धि से रतनपुर के साथ-साथ उनके परिवार का भी नाम रोशन हुआ है। परिवारजनों और नगरवासियों ने इशांक को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

कटघोरा बाईपास पर पेड़ से टकरा कर धू-धूकर जला 407 वाहन.....

कोरबा। जिले के कटघोरा बाईपास पर रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। हुकरा क्षेत्र में तेज रफ्तार 407 वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। टक्कर के बाद वाहन के इंजन में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में 407 वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि, हादसे में चालक की सूझबूझ से उसकी जान बच गई। चालक ने समय रहते वाहन से छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि 407 वाहन कटघोरा की ओर तेज रफ्तार से आ रहा था। इसी दौरान हुकरा क्षेत्र में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। वाहन सड़क किनारे मौजूद पेड़ से जोरदार तरीके से टकरा गया। टक्कर के बाद इंजन में आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही चालक ने बिना देर किए वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसा देखकर मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल कटघोरा पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। हालांकि, दमकल के पहुंचने तक वाहन का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। काफी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हादसे में किसी अन्य व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने चालक से पूछताछ कर घटना की जांच शुरू कर दी है। वाहन में आग लगने और हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर बड़ी संख्या में राहगीरों और लोगों की भीड़ जमा हो गई।

कलेक्टर के नेतृत्व में रेडक्रॉस का विशेष सहयोग अभियान शुरू,पहले दिन जुटे 72 हजार 600 रुपये

■ नेपाल आपदा पीड़ितों के लिए बिलासपुर ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिलासपुर। नेपाल में आई आपदा से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए बिलासपुर ने मानवीय संवेदना के साथ मदद का हाथ बढ़ाया है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा बिलासपुर द्वारा कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल के नेतृत्व में आज से विशेष राशि एकत्रीकरण अभियान शुरू किया गया। अभियान के पहले ही दिन 72 हजार 600 रुपये की सहयोग राशि एकत्रित की गई। अभियान का शुभारंभ कलेक्टर श्री अग्रवाल द्वारा स्वयं सहयोग राशि प्रदान कर किया गया। इसके पश्चात उन्होंने रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर, पुरानी एवं नई कंपोजिट बिल्डिंग, जिला न्यायालय तथा जिला पंचायत परिसर पहुंचकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नेपाल के आपदा पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए स्वेच्छा से योगदान देने की अपील की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में सहायता के लिए आगे आना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग राशि प्रदान कर इस मानवीय अभियान में सहभागी बनने की अपील की। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा राशि एकत्रीकरण अभियान आगामी 10 दिनों तक शहर के विभिन्न स्थानों पर संचालित किया जाएगा। रेडक्रॉस के दल अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों से सहयोग राशि एकत्रित करेंगे। अभियान के दौरान एकत्रित संपूर्ण राशि भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की राज्य शाखा रायपुर को प्रेषित की जाएगी, जहां से इसे नेपाल आपदा से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए भेजा जाएगा। अभियान में अध्यक्ष डॉ. बी.एल. गोयल, वाइस चेयरमैन श्री प्रमोद शर्मा, सचिव रेडक्रॉस डॉ. शुभा गरेवाल, श्री अरुण चौहान, श्री सुनील सोनथालिया, श्री सुरेंद्र गुंबर, डॉ. राजीव अवस्थी, श्रीकांत सहारे, डॉ. एम.ए. जीवनी, श्री सौरभ सक्सेना एवं श्री आदित्य पांडे सहित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सरकंडा की जूनियर रेडक्रॉस की छात्राएं उपस्थित रहीं। इसके साथ ही श्री लक्ष्मी नारायण मिश्रा, श्री सुशील राजपूत, श्रीमती गीतेश्वरी चंद्र, श्रीमती नेहा राय एवं श्रीमती प्रीति चंद्र सहित रेडक्रॉस के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य भी राशि एकत्रीकरण अभियान में सक्रिय रूप से सहभागी रहे।

पुलिस डॉग कोका ने पहुंचाया चोरों के घर तक, 2.08 लाख की चोरी का खुलासा

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के दरिमा थाना क्षेत्र में हुई करीब 2 लाख रुपए की चोरी का पुलिस ने डॉग स्क्वाड की मदद से खुलासा किया है। पुलिस डॉग कोका घटनास्थल से मिले कपड़े की पहचान करते हुए सीधे संदेहियों के घर तक पहुंच गया, जिसके बाद पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की 2 लाख 8 हजार 580 रुपए की पूरी नकदी बरामद कर ली गई है। यह कार्रवाई डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा थाना प्रभारी दरिमा प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक निशांत गौरव कुर्रे के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, ग्राम मोतीपुर भाठापारा निवासी सुरेश महाजन ने थाना दरिमा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 4 सितंबर 2026 को गुमला, झारखंड गया था। अगले दिन 5 सितंबर को वापस लौटने पर दुकान में लगा [illegible] और करीब 2 लाख रुपए नकद गायब मिले। अज्ञात चोर दुकान से रकम चोरी कर फरार हो गए थे। शिकायत पर थाना दरिमा में अपराध क्रमांक 205/26 के तहत धारा 331(4), 305(ए), 61, 111, 238 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी राजेश अग्रवाल ने पुलिस टीम के साथ डॉग स्क्वाड को भी मौके पर भेजकर बारीकी से जांच के निर्देश दिए। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। विवेचना के दौरान थाना प्रभारी और डॉग हैंडलर ने पुलिस डॉग कोका को घटनास्थल पर ले जाकर वहां मिले कपड़े की पहचान कराई। कपड़े को सूंघने के बाद कोका सीधे संदेहियों के घर तक पहुंच गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में सिद्धार्थ निषाद उर्फ रानू (25 वर्ष) निवासी मोतीपुर और कबीर दास उर्फ विक्की (21 वर्ष) निवासी मोतीपुर ने मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। दोनों के कब्जे से कुल 2,08,580 रुपए नकद बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी पूर्व में प्रार्थी की कपड़े की दुकान में काम कर चुके हैं। सिद्धार्थ उर्फ रानू पूर्व में थाना दरिमा के अपराध क्रमांक 28/2023 में धारा 379 भादवि के मामले में गिरफ्तार होकर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। इसके बाद उसे दुकान से निकाल दिया गया था। वहीं कबीर दास उर्फ विक्की को भी रक्षाबंधन के समय दुकान से हटा दिया गया था।

जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा बिलासपुर रेलवे स्टेशन,850 श्रद्धालु अयोध्या रवाना

बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन से आज श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने श्रद्धालुओं से भरी विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत सभापति भारती नीरज माली, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित रेलवे के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे । इस अवसर पर विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का सम्मान है, जिसके माध्यम से हर वर्ग को प्रभु श्रीराम के दर्शन का मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच का परिणाम है उन्होंने कहा कि श्रवण कुमार की तरह देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जनता को श्री राम लला के दर्शन करा रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर गाजे-बाजे, पारंपरिक नृत्य, तिलक, फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। अयोध्या धाम के साथ-साथ वे श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालु बिलासपुर के सरकंडा निवासी श्रीमती आराधना मिश्रा, ज्योत्सना मिश्रा, तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम सागर निवासी श्री लक्ष्मी साहू ने

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्री रामलला के दर्शन करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है, जो मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी सुव्यवस्थित और सम्मानजनक व्यवस्था एक सपना साकार होने जैसा है। मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशीलता के कारण आज अनेक महिलाओं को श्री रामलला के दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिसके लिए वे उनके प्रति कृतज्ञ हैं। अन्य दर्शनार्थियों ने भी इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय और भावनात्मक क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या आने-जाने, ठहरने, मंदिर दर्शन, नाश्ता एवं भोजन की संपूर्ण व्यवस्था की गई है। साथ ही यात्रा के दौरान टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मियों एवं चिकित्सकों का दल भी श्रद्धालुओं के साथ मौजूद रहेगा।

पिठोरी अमावस्या पर श्राद्ध और दान-पुण्य करने की परंपरा

पिठोरी अमावस्या पर पितरों की शांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और दान करने की परंपरा है। 10 सितंबर की अमावस्या तिथि, पिशाच मोचन कुंड का महत्व और पितृ कृपा पाने के आसान धार्मिक उपाय।

भाद्रपद महीने की अमावस्या को पिठोरी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन पितरों को याद कर तर्पण, श्राद्ध और दान-पुण्य करने की परंपरा है। इस साल अमावस्या तिथि 10 सितंबर को सुबह 10:33 बजे शुरू होगी और 11 सितंबर को सुबह 8:56 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार अमावस्या 11 सितंबर को मानी जाएगी, लेकिन पिठोरी अमावस्या से जुड़े मुख्य धार्मिक कर्म 10 सितंबर को किए जाएंगे।

पिशाच मोचन कुंड का क्या है महत्व?

काशी में स्थित पिशाच मोचन कुंड को पितरों की शांति और अकाल मृत्यु से जुड़ी आत्माओं की मुक्ति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस स्थान पर त्रिपिंडी श्राद्ध और तर्पण करने से पितरों को शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। गरुड़ पुराण के काशी खंड में भी पिशाच मोचन कुंड का विशेष उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि जिन आत्माओं को अकाल मृत्यु प्राप्त होती है, उनकी शांति के लिए यहां किए गए श्राद्ध और तर्पण का विशेष महत्व है।

काशी नहीं जा सकते तो घर पर करें तर्पण

हर व्यक्ति के लिए काशी जाना संभव नहीं होता। ऐसे में पिठोरी अमावस्या के दिन घर पर भी पितरों का स्मरण करके तर्पण किया जा सकता है। स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनें और पितरों को याद करते हुए कुशा के माध्यम से जल अर्पित करें। इसके अलावा अपनी सामर्थ्य के अनुसार अन्न, सफेद वस्त्र या अन्य जरूरत की चीजों का दान करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन श्राद्ध कर्म और पिंडदान करने की भी परंपरा है।

पीपल की पूजा से पितृ कृपा की मान्यता

पिठोरी अमावस्या पर पीपल के पेड़ की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। सुबह पीपल को जल चढ़ाएं और शाम के समय उसके पास तेल का दीपक जलाएं। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

मेहंदी का रंग गाढ़ा कैसे करें

मेहंदी सिर्फ हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का एक पारंपरिक तरीका नहीं है, बल्कि त्योहारों और खास मौकों की खुशी का भी हिस्सा है। शादी, करवा चौथ, तीज, ईद या किसी अन्य खास अवसर पर महिलाएं हाथों और पैरों पर मेहंदी लगाना पसंद करती हैं। लेकिन कई बार मेहंदी लगाने के बाद उसका रंग उम्मीद के मुताबिक गहरा नहीं आता। ऐसे में कुछ आसान घरेलू तरीकों की मदद से मेहंदी के दाग को बेहतर तरीके से विकसित होने में मदद मिल सकती है। मेहंदी का रंग आमतौर पर लगाने के बाद तुरंत गहरा नहीं होता। दाग कुछ समय तक ऑक्सीडाइज होकर धीरे-धीरे गहरा होता जाता है। इसलिए मेहंदी लगाने के बाद सही देखभाल करना काफी महत्वपूर्ण है। मेहंदी सूखने के बाद उसे लंबे समय तक हाथों पर बनाए रखना, सूखने के बाद हल्के हाथों से हटाना और तुरंत पानी के संपर्क से बचना कुछ आसान उपाय हैं।

मेहंदी का रंग गहरा करने के आसान

1. मेहंदी को पर्याप्त समय दें

मेहंदी लगाने के तुरंत बाद उसे हटाने की जल्दबाजी न करें। पेस्ट को अच्छी तरह सूखने और लंबे समय तक त्वचा पर रहने देने से रंग विकसित होने में मदद मिल सकती है।

2. मेहंदी सूखने के बाद पानी से बचें

मेहंदी हटाने के बाद कुछ घंटों तक हाथों को पानी में भिगोने से बचें। बार-बार साबुन और पानी के संपर्क में आने से शुरुआती दाग हल्का पड़ सकता है।

3. हाथों को लगाने से पहले साफ रखें

मेहंदी लगाने से पहले हाथों को धोकर अच्छी तरह सुखा लें। क्रीम, लोशन या ज्यादा तेल की परत लगाने से बचें।

4. मेहंदी को रगड़कर न हटाएं

सूखी मेहंदी को धीरे-धीरे खुरचकर या हाथों को आपस में रगड़कर हटाना बेहतर है। तुरंत पानी से धोने के बजाय सूखे तरीके से पेस्ट हटाने की कोशिश करें।

5. प्राकृतिक तेल का इस्तेमाल

मेहंदी हटाने के बाद थोड़ी मात्रा में नारियल या सरसों जैसे तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। संवेदनशील त्वचा वाले लोग पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

जींस के साथ परफेक्ट फुटवियर चुनें

जींस आज के समय में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला आउटफिट है, जो हर उम्र और हर मौके के लिए परफेक्ट माना जाता है। अलग-अलग तरह की जींस जैसे स्किनी, स्लिम फिट और बैगी जींस अपनी-अपनी स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। इन जींस के साथ सही फुटवियर पहनना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि यही आपके पूरे लुक को पूरा करता है। सही जूते न सिर्फ आपके आउटफिट को स्टाइलिश बनाते हैं, बल्कि आपको आराम भी देते हैं। चाहे कैजुअल आउटिंग हो या कोई खास मौका, जींस के साथ सही फुटवियर आपकी पर्सनैलिटी को और बेहतर तरीकों से हाईलाइट करता है।

स्किनी जींस

स्किनी जींस में बॉडी फिट लुक आता है, इसलिए इसके साथ ऐसे फुटवियर अच्छे लगते हैं जो स्लीक और स्टाइलिश हों।

स्नीकर्स – रोज पहनने के लिए सबसे बढ़िया और आरामदायक ऑप्शन रहता है। लोफर्स – थोड़ा स्मार्ट और अच्छा लुक देते हैं।

चेल्सी बूट्स – क्लासी और स्टाइलिश लुक के लिए परफेक्ट होता है।

स्लिम फिट / स्ट्रेट जींस

ये जींस सबसे ज्यादा वर्सेटाइल होती हैं, मतलब आप इन्हें लगभग हर जगह पहन सकते हैं – कैजुअल से लेकर सेमी-फॉर्मल तक।

स्नीकर्स – डेली वियर के लिए बेस्ट ऑप्शन है।

लोफर्स – स्मार्ट कैजुअल लुक के लिए अच्छा ऑप्शन है।

कैजुअल / डर्बी शूज – थोड़ा फॉर्मल या सेमी-फॉर्मल लुक के लिए सही है।

बैगी / लूज जींस

बैगी जींस आजकल ट्रेंड में हैं और ये स्ट्रीट स्टाइल लुक देती हैं, जो थोड़ा कूल और रिलैक्स्ड फील देती है।

चंकी स्नीकर्स – ट्रेंडी और फैशनेबल लुक के लिए परफेक्ट रहता है।

हैवी बूट्स – बोल्ड और स्टाइलिश वाइब के लिए बेस्ट होता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन कार्यक्षेत्र में प्रगति लेकर आ सकता है। आपकी लगन और मेहनत पर वरिष्ठ अधिकारियों की नजर रहेगी और कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी भी मिल सकती है। व्यापार करने वालों को पुराने संपर्कों से फायदा होने की संभावना है। पैसों के मामले में स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन किसी को बड़ी धनराशि उधार देने से फिलहाल बचें।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए दिन आर्थिक दृष्टि से अनुकूल रहने वाला है। नौकरी में लंबे समय से अटके काम गति पकड़ सकते हैं और आपके प्रदर्शन से अधिकारी प्रभावित होंगे। कारोबारियों को नए सौदे या व्यावसायिक प्रस्ताव से लाभ मिलने के संकेत हैं। आमदनी के साथ बचत पर भी ध्यान देना जरूरी रहेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के लिए दिन थोड़ा व्यस्तता भरा रह सकता है। कार्यस्थल पर एक साथ कई काम सामने आने से दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से परिस्थितियां संभल जाएंगी। कारोबार में किसी नए व्यक्ति से हुई मुलाकात आगे चलकर लाभकारी साबित हो सकती है। खर्चों में अचानक बढ़ोतरी संभव है, इसलिए आर्थिक योजना बनाकर चलें। परिवार के किसी अनुभवी सदस्य की सलाह आपके काम आ सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए मंगलवार काफी उत्साहजनक रहने वाला है। चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से मनोबल बढ़ेगा और भावनात्मक रूप से मजबूती महसूस करेंगे। नौकरी में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपके सामने आ सकता है। व्यापारियों को कारोबार बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई दे सकते हैं। आर्थिक स्थिति में मजबूती आने के संकेत हैं। परिवार में शांति और आपसी प्रेम बना रहेगा।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों के लिए कार्यक्षेत्र में उपलब्धि का दिन रह सकता है। वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से कोई महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरा होगा। नौकरी में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जो आगे चलकर करियर के लिए फायदेमंद साबित होंगी। कारोबार में बड़ा सौदा तय होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी, हालांकि गैरजरूरी खरीदारी से बचना उचित होगा।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए आज सफलता का मंत्र योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी अहम प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिल सकती है और आपकी कार्यशैली की सराहना होगी। व्यापार में पुराने निवेश या पुराने संपर्कों से फायदा मिलने की संभावना है। धन संबंधी मामलों में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार का कोई सदस्य आपके जरूरी काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।

तुला राशि- तुला राशि के लिए मंगलवार सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। नौकरी में सहकर्मियों का सहयोग मिलने से कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापार में पार्टनरशिप या किसी सहयोगी के साथ मिलकर काम करने से फायदा हो सकता है। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिलेगा। घर में कोई अच्छी खबर मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों को आज हर परिस्थिति में संयम बनाए रखना चाहिए। कार्यस्थल पर कुछ मुश्किलें या अतिरिक्त दबाव सामने आ सकता है, लेकिन धैर्य के साथ काम करने पर परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। कारोबार में जल्दबाजी से निवेश करने से बचें। पैसों के लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और बिना जांच-पड़ताल किसी पर भरोसा न करें।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों के लिए मंगलवार उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। नौकरी में लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे और लाभ के रास्ते खुल सकते हैं। अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। साथी का सहयोग प्रेम संबंधों को मजबूत बनाएगा।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के संकेत हैं। नौकरी में काम का बोझ और जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन इससे करियर में आगे बढ़ने के अवसर भी बनेंगे। व्यापारियों के साथ नए ग्राहक जुड़ सकते हैं और कारोबार में विस्तार की योजना बन सकती है। धन की स्थिति पहले से बेहतर रहने की संभावना है। परिवार के साथ कुछ सुखद पल बिताने का अवसर मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भविष्य से जुड़े किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिहाज से दिन उत्साहजनक रहेगा। नौकरी में आपकी नई सोच और रचनात्मक क्षमता लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। व्यापार में नए लोगों से बने संपर्क भविष्य में लाभ दिला सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, हालांकि अचानक कोई अतिरिक्त खर्च सामने आ सकता है। परिवार के लोगों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए मंगलवार सामान्य से बेहतर परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत नजर आएगी और किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता प्राप्त हो सकती है। कारोबार में कमाई के नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए कोई नई योजना बनाने का विचार मन में आ सकता है। घर-परिवार में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहेगा।

बारिश के मौसम में अपनाएं सुरक्षित खान-पान का तरीका

बरसात का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ा देता है। इस मौसम में नमी और गंदगी के कारण बैक्टीरिया व वायरस तेजी से फैलते हैं, जिससे पेट से जुड़ी परेशानियां, संक्रमण और मौसमी बीमारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में विशेषज्ञ खान-पान और पीने के पानी को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। इस मौसम में साफ पानी पीना, ताजा भोजन करना और बाहर के अस्वच्छ खाद्य पदार्थों से दूरी बनाना रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखने में मदद कर सकता है। सबसे अहम बात कि थोड़ी सतर्कता अपनाकर आप बरसात के मौसम का पूरी तरह आनंद ले सकती हैं।

उबला या फिल्टर का पानी पीएं

बरसात के मौसम में पानी के जल्दी दूषित होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में गंदे पानी के सेवन से पेट दर्द, दस्त, उल्टी और कई तरह के संक्रमण हो सकते हैं। इसलिए इस मौसम में केवल उबला हुआ या अच्छी तरह फिल्टर किया हुआ पानी ही पीएं। साथ ही, घर से बाहर जाते समय भी पानी की अपनी बोतल साथ रखना बेहतर विकल्प है। पानी को खुले में रखने से बचें और पीने के बर्तन को साफ रखें। पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और बीमारियों से बचाव में मदद मिलती है।

जंक फूड और कटे हुए फल न खाएं

बारिश में सड़क किनारे मिलने वाले खाद्य पदार्थ जल्दी दूषित हो जाते हैं। वहीं साफ-सफाई की कमी के कारण, इसमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक खुले में रखे कटे हुए फल और खाद्य सामग्री में बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। इसलिए बरसात के दिनों में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। वहीं फल हमेशा ताजे खरीदें और उन्हें अच्छी तरह धोकर ही खाएं। आपकी यह आदत इस मौसम में आपको सुरक्षित और स्वस्थ रख सकती है।

खाने में ताजी सब्जियां और गर्म सूप

इस मौसम में शरीर को पोषण देने के लिए आप ताजी सब्जियों को भी अपने भोजन का हिस्सा बनाएं। हरी सब्जियां विटामिन और खनिजों से भरपूर होती है, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती हैं, जिसकी इस मौसम सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसके अलावा गर्म सूप भी इस मौसम में फायदेमंद होते हैं। सब्जियों से बने सूप शरीर को गर्माहट देने के साथ-साथ जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। एक जरूरी बात यह कि भोजन को अच्छी तरह पकाकर ही खाना खाएं, ताकि किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा कम हो सके।

फ्रिज के ऊपर भूलकर भी न रखें ये 4 चीजें...

आजकल लगभग हर घर की रसोई में फ्रिज आसानी से मिल जाता है। जगह कम होने पर कई लोग फ्रिज के ऊपर दवाइयां, पुराने अखबार, डिब्बे और दूसरी छोटी-बड़ी चीजें रख देते हैं। लेकिन वास्तु की पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार फ्रिज के ऊपर की जगह को खाली, साफ और व्यवस्थित रखना अच्छा माना जाता है। फ्रिज पर सामान रखते समय कुछ आसान बातों का ध्यान रखना चाहिए। मान्यता है कि गलत चीजें रखने से घर के माहौल और सुख-समृद्धि पर असर पड़ सकता है। आइए जानते हैं फ्रिज के ऊपर क्या रखना चाहिए और किन चीजों से बचना बेहतर है।

फ्रिज के ऊपर गलत सामान रखने से क्या हो सकता है?

वास्तु की मान्यताओं के अनुसार फ्रिज के ऊपर बेकार और जरूरत से ज्यादा सामान रखने से घर का माहौल प्रभावित हो सकता है। माना जाता है कि इससे घर में तनाव बढ़ सकता है, कामों में रुकावट आ सकती है और सुख-समृद्धि का माहौल कमजोर हो सकता है। इसलिए इस जगह को साफ और व्यवस्थित रखने की सलाह दी जाती है। हालांकि, इन बातों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। व्यावहारिक तौर पर भी फ्रिज के ऊपर ज्यादा सामान रखने से धूल जमा हो सकती है और सफाई करने में परेशानी हो सकती है।

फ्रिज के ऊपर दवाइयां न रखें

कई लोग जगह बचाने के लिए फ्रिज के ऊपर दवाइयां रख देते हैं। वास्तु मान्यताओं में इसे सही नहीं माना जाता। दवाइयों को हमेशा साफ, सूखी और सुरक्षित जगह पर रखना बेहतर होता है। फ्रिज के ऊपर रखने से दवाइयां गर्मी और धूल के संपर्क में भी आ सकती हैं।

पुराने अखबार और बेकार सामान हटाएं

फ्रिज के ऊपर पुराने अखबार, खाली डिब्बे, टूटे सामान या बेकार चीजों का ढेर न लगाएं। वास्तु के अनुसार ऐसी चीजों को घर में लंबे समय तक रखना अच्छा नहीं माना जाता। साथ ही इन सामानों पर जल्दी धूल जमती है, जिससे रसोई गंदी नजर आ सकती है।

भारी इलेक्ट्रॉनिक सामान रखने से बचें

फ्रिज के ऊपर माइक्रोवेव, ओवन या कोई दूसरा भारी इलेक्ट्रॉनिक सामान रखना ठीक नहीं है। इससे जगह कम होने के साथ सामान गिरने का डर भी बना रहता है। इसलिए फ्रिज के ऊपर हमेशा हल्की चीजें ही रखना बेहतर है।

घर पर आलू कुलचा बनाने की रेसिपी

सुबह का ठंडा-ठंडा मौसम और शांत वातावरण में गर्म-गर्म नाश्ता पूरा दिन बना सकता है। ऐसे में अक्सर कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाने का मन करता है। इसके लिए कुलचा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह रोजाना के नाश्ते पोहा, चीला, पराठा, कचौरी और समोसा से अलग है। यह ज्यादातर बाजारों में मिलता है, जिसे बड़े ही चाव से खाया जाता है। हालांकि इसे घर पर भी आसानी से बना सकते हैं। जिसके लिए आपको तंदूर की जरूरत नहीं होगी। इसे तवे पर बना सकते हैं, इससे स्वाद में कोई अंदर नहीं आएगा। अगर आप नाश्ते के लिए इस तरह की डिश तलाश रहे हैं, तो यहां दी गई रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। आलू कुलचा देखने में लगभग पराठे की तरह ही होता है, लेकिन इसमें आटे की जगह मैदे का इस्तेमाल किया जाता है और इसमें दही एवं बेकिंग सोडा मिलाया जाता है। जिससे यह फूल कर नरम हो जाता है। इसका स्वाद पराठे से अलग होता है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को यह पसंद आता है।

जरूरी सामग्री : मैदा- 250-300 ग्राम, आलू- 200 ग्राम, दही- तीन-चार चम्मच, बेकिंग सोडा- आधा चम्मच, अजवाइन- एक चम्मच, नमक- स्वादानुसार, हरी मिर्च- दो-तीन, अदरक- एक इंच, अमचूर पाउडर- आधा छोटा चम्मच, धनिया पाउडर- एक चम्मच, गरम मसाला पाउडर- एक चम्मच।

बनाने का तरीका

सबसे पहले एक थाली में मैदा को अच्छी तरह छान लें। अब उसमें दही, बेकिंग सोडा, हल्का सा नमक और तेल डालें। इन सभी को हाथ से अच्छी तरह मिलाने के बाद इसे गुनगुने पानी के साथ नरम होने तक गूंथ लें। इसके बाद गुंथे आटे पर हाथ से चारों ओर तेल लगाएं और कपड़े या बर्तन से ढक कर दो-तीन घंटे के लिए छोड़ दें। इस बीच आलू को उबाल लें और ठंडा होने पर उसके छिलके निकाल कर हाथ से अच्छी तरह मसलें। फिर इसमें नमक, कटी हुई हरी मिर्च, अदरक, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला पाउडर और हरा धनिया डालें। इन सभी को हाथ से मिला दें। अब गूंथे हुए मैदे की मध्यम आकार की लोइयां बनाएं। फिर एक लोई को बेलन की मदद से चपाती की तरह गोलाकार चपटा बनाएं और उस पर उबले आलू का मिश्रण बिखेर कर उसे हाथ से दबा दें। इसके बाद चपाती को चारों ओर से उठाकर बंद कर दें और उसका गोला बनाकर उसे पहले हाथ से फिर बेलन की मदद से चपटा करें। अब इसे गरम तवे पर सेकें और दोनों तरफ देसी घी का लेप लगाएं। इसी तरह दूसरे कुलचे भी तैयार करें। इन्हें चाय या अपनी मनपसंद चटनी के साथ परोसें।

महापौर ने विकास कार्यों को समय पर पूरा करने का दिया निर्देश, रेवाडीह में किया भूमिपूजन

शहर के रेवाडीह वार्ड में 30 लाख रुपए की लागत से होंगे विकास कार्य

अधिकारियों से बोले महापौर...ड्राइंग डिजाइन के हिसाब से ही हो निर्माण कार्य

राजनांदगांव. वार्डों में चल रहे निर्माण कार्य निरीक्षण की कड़ी में महापौर मधुसूदन यादव ने लखोली, रेवाडीह में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य को समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अग्रवाल ट्रांसपोर्ट के पास कबीर द्वार निर्माण के लिए पार्षद चंद्रशेखर लश्करे, पूर्व पार्षद अमीन हुद्दा तथा समाज के लोगों के साथ स्थल निरीक्षण किए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कबीर द्वार निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ करे, तथा द्वार निर्माण वाहनों के आवागमन को देखते हुए तथा ड्राइंग डिजाईन के अनुसार हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

महापौर के निर्देश पर अधिकारियों ने तत्काल लेआउट दिए। इसी प्रकार महापौर ने गायत्री स्कूल रोड विश्वकर्मा मंदिर के पास निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाकर शेष कार्य जल्द पूर्ण कराने कहा। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में भवन का लोकार्पण कराया जाना है, जिसके आधार पर भवन का सभी कार्य पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर श्री यादव रेवाडीह पहुंच रेवाडीह में स्वीकृत विकास कार्यों की जानकारी लिए। निर्माण कार्य के लिए प्रक्रिया पूर्ण होने की जानकारी पर महापौर ने वार्ड पार्षद व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की प्रभारी सदस्य बिना ध्रुव, नामांकित पार्षद सूर्यकांत श्रीवास, पूर्व पार्षद मुकेश ध्रुव तथा वार्डवासियों की उपस्थिति में अधोसंरचना मद अंतर्गत स्वीकृत 19.82 लाख रूपये की लागत से रोड एवं नाली निर्माण तथा 10 लाख रूपये की लागत से गोठान व कर्मा मंदिर के पास शेड निर्माण के लिए पूजा अर्चना कर विधिवत भूमिपूजन किए। उन्होंने अधिकारियो से कहा कि निर्माण कार्य अविलंब प्रारंभ करे, और प्रतिदिन मानिटरिंग करे, जिससे समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण हो सके और उसका लाभ वार्डवासियों को मिल सके। इस दौरान उन्होंने आदिवासी समाज के लिए निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर समाज की भावना के अनुरूप भवन निर्माण के निर्देश दिए।

दोषमुक्त प्रकरणों की आईजी यादव ने की समीक्षा, 11 विवेचकों को शो-कॉज नोटिस जारी

नोटिस का जवाब मिलने के बाद जरूरत पड़ी तो विभागीय जांच भी कराएंगे

रेंज के सभी जिलों के अधिकारी समीक्षा बैठक में हुए शामिल

राजनांदगांव। जिले के 395 प्रकरणों की समीक्षा मंगलवार को आईजी अजय यादव ने की। ये वह प्रकरण हैं, जिसमें आरोपी दोषमुक्त हो गए। पूरे प्रकरणों की समीक्षा में यह सार सामने आया कि 11 प्रकरणों में विवेचकों ने त्रुटियां की और 28 प्रकरण अपील योग्य हैं। इस समीक्षा के बाद आईजी यादव ने 11 विवेचकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सर्वोच्च न्यायालय के क्रिमिनल अपील गुजरात राज्य विरुद्ध किशन भाई में पारित आदेश के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप वर्ष 2026 के मई के 208 और जून के 187 कुल 395 दोषमुक्त प्रकरणों की विवेचना व अभियोजन कार्यवाही में हुई त्रुटियों की समीक्षा की गई! समीक्षा के दौरान बैठक के दौरान 11 प्रकरण विवेचक त्रुटि और 28 अपील योग्य प्रकरण पाया गया। समीक्षा के दौरान पुलिस महानिरीक्षक यादव द्वारा आपराधिक प्रकरणों की प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना, अभियोजन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं तथा प्रकरणों के न्यायालय में सफलतापूर्वक निराकरण ds f4, आवश्यक कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही संबंधित अभियोजन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि न्यायालय लंबित प्रकरणों में प्रभावी पैरवी करते हुए दोषसिद्धि में बढ़ोतरी करने पर जोर दिया गया। बैठक में प्रभारी संयुक्त संचालक-उपसंचालक अभियोजन रेंज डी.के जैन, उपसंचालक अभियोजन जिला कबीरधाम कुलरंजन कुजूर, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी खैरागढ़ सुनील कुमार राठौर, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी अंबागढ चौकी ललित साहू तथा पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीता वाघवानी, उप पुलिस अधीक्षक नवी मोनिका पांडे उपस्थित रही।

हाइवे से लगे गांवों की रजिस्ट्री पर लगा बैन हटाने की मांग, कलेक्टर को ज्ञापन

जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख ने कलेक्टर जितेंद्र यादव से की मुलाकात

राजनांदगांव। हाइवे से सटे गांवों में जमीन की रजिस्ट्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग को लेकर जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख ने कलेक्टर जितेंद्र यादव से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। दो अलग-अलग प्रतिबंधों को लेकर उन्होंने मांग की है कि दोनों की प्रतिबंधों को हटाया जाना चाहिए। ताकि जमीनों का पंजीयन कराया जा सके। कलेक्टर को दिए गए ज्ञापन में देशमुख ने कहा कि टेडेसरा, मुढ़ीपार, घूमका सहित आसपास के गांवों में प्रस्तावित फोरलेन के कारण जमीन की रजिस्ट्री पर बैन लगाया गया था। अब उक्त प्रस्तावित फोरलेन को निरस्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके बावजूद संबंधित गांवों में जमीन की रजिस्ट्री पर लगा प्रतिबंध जारी है। वहीं दूसरे पत्र में रायगढ़ से परमालकसा प्रस्तावित रेल लाइन का हवाला देते हुए रजिस्ट्री पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि सोमनी-टेडेसरा क्षेत्र के आसपास के गांवों में रेल लाइन प्रस्तावित होने के कारण जमीन की रजिस्ट्री पर बैन लगाया गया था। जानकारी के मुताबिक रेल लाइन का सर्वे हो चुका है तथा रेल लाइन में आने वाली जमीन एवं खसरा का चिन्हांकन भी किया जा चुका है। रेल विभाग द्वारा चिन्हांकित खसरा की सूची उपलब्ध कराए जाने का भी उल्लेख पत्र में किया गया है। देशमुख ने कलेक्टर से मांग की है कि जिन गांवों में वर्तमान परिस्थितियों में रजिस्ट्री पर प्रतिबंध की आवश्यकता नहीं है, वहां लगा बैन हटाया जाए, ताकि ग्रामीणों और जमीन मालिकों को हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

पुलिस अफसरों ने गणेश समितियों की ली मीटिंग, सीसीटीवी, फायर सेफ्टी को लेकर दिए निर्देश

गणेश पर्व को लेकर पुलिस विभाग भी तैयारी में जुटा, 70 से अधिक समितियां आई बैठक में

महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखने कहा

राजनांदगांव। आने वाले सप्ताह से गणेश पर्व शुरू हो जाएगा। इसे लेकर पुलिस विभाग ने भी होमवर्क शुरू कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस विभाग के आला अफसरों ने शहर की 70से अधिक गणेश समितियों के साथ मीटिंग की। इसमें पंडालों में सीसीटीवी कैमरा, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित विद्युत वायरिंग एवं अग्नि सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। साथ ही महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा पर्याप्त संख्या में पहचान योग्य स्वयंसेवकों की व्यवस्था करने के लिए समितियों को कहा गया। बैठक में गणेश उत्सव के दौरान शांति, सुरक्षा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के साथ-साथ बेहतर समन्वय एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने सभी समितियों से अपील की कि उत्सव को धार्मिक आस्था एवं उत्साह के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ मनाया जाए। किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद अथवा असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने के लिए समितियों को समझाइश दी गई।

कई स्थानों पर पंडाल पुलिस मित्र की होगी तैनाती

बैठक में राजनांदगांव पुलिस की विशेष पहल One Cop One Pandal के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके तहत बड़े, मध्यम एवं संवेदनशील गणेश पंडालों में Pandal Police Mitra की तैनाती की जाएगी, जो संबंधित समिति एवं पुलिस के बीच निरंतर समन्वय का कार्य करेंगे। इसका उद्देश्य पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं किसी भी आपात स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करना है। गणेश पंडालों में प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, बैरिकेडिंग, दर्शन के लिए कतार व्यवस्था, पार्किंग एवं यातायात प्रबंधन को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए।

नशे में उपद्रव, हथियार प्रदर्शन पर होगी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि गणेश उत्सव के दौरान नशे में उपद्रव, हथियारों का प्रदर्शन, जुआ-सट्टा एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर अफवाह अथवा भ्रामक जानकारी प्रसारित न करने तथा किसी संदिग्ध व्यक्ति , वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील भी की गई। उन्होंने कहा किगणेश उत्सव जिले के गौरवशाली परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, इस आस्था और उत्साह का पर्व में राजनांदगांव पुलिस का प्रयास है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में गणेश के दर्शन कर सके।

तीज के रंग में रंगा पाटन, साहू समाज की महिलाओं ने दिखाई संस्कृति की समृद्ध छटा'

पाटन में सजा तीज का भव्य दरबार, हजारों सामाजिक जनों की मौजूदगी में गूंजे छत्तीसगढ़ी गीत

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन के तत्वावधान में महिला प्रकोष्ठ संयोजिका के नेतृत्व में 6 सितंबर 2026 को तहसील स्तरीय तीज महोत्सव एवं तीज मिलन समारोह 2026 का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भक्त माता कर्मा एवं नदिया बैल की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। तीज मिलन समारोह में छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती रामशिला साहू एवं जिला साहू संघ अध्यक्ष नंदलाल साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश साहू संघ महिला संयोजिका दिव्या कलिहारी ने की। विशेष अतिथियों में शिल्पा साहू, सह-संयोजिका महिला प्रकोष्ठ प्रदेश साहू संघ, कल्पना नारद साहू, जिला पंचायत सभापति, चंद्रिका साहू, कार्यकारिणी सदस्य प्रदेश साहू संघ, मंजू साहू, उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, ललेश्वरी साहू, महिला संयोजिका जिला साहू संघ तथा दामिनी राकेश साहू, जनपद सदस्य पाटन शामिल रहीं।

महिलाओं की सहभागिता ने कार्यक्रम को बनाया भव्य

स्वागत भाषण तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने दिया। उन्होंने तीज मिलन समारोह में समाज के महिला-पुरुषों की बड़ी संख्या में सहभागिता पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पांचों परिक्षेत्र सहित 99 इकाइयों की महिला पदाधिकारियों एवं सामाजिक बहनों के विशेष सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ। तीज महोत्सव में महिलाओं के लिए विभिन्न आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए। छत्तीसगढ़ी पारंपरिक खेल, गीत-संगीत, पारंपरिक व्यंजनों की बगिया तथा भक्त माता कर्मा की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।साथ ही पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता में तीज क्वीन के रूप में प्रथम स्थान तेलीगुंडरा परिक्षेत्र से विभा साहू और द्वितीय स्थान पर रही बेल्हारी परिक्षेत्र से ज्योति साहू साथ ही अन्य तीन तीज क्वीन को भी सम्मानित किया किया। लालेश्वर साहू ने कहा कि तीज महोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर है। ऐसे आयोजनों से समाज की महिलाओं को अपनी प्रतिभा और संस्कृति को प्रदर्शित करने का मंच मिलता है।

सामाजिक कुरीतियों से हटकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक मजबूती पर दें जोर: डॉ. ममता साहू

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कहा कि समाज में सहभागिता हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि समाज को संस्कारवान और मजबूत बनाना है तो प्रत्येक व्यक्ति को समाज से जुड़कर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और अपने भविष्य का निर्धारण करना होगा। उन्होंने कहा कि साहू समाज को केवल रोटी-बेटी के संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि रूढ़िवादी परंपराओं से हटकर आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। शादी-विवाह, मृत्यु संस्कार एवं जन्मोत्सव जैसे आयोजनों में अनावश्यक खर्च को कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने विवाह समारोहों में साड़ी जैसे उपहारों के आदान-प्रदान की परंपरा को कम करने की अपील करते हुए कहा कि यह सोचने के बजाय कि हमें उपहार मिला है तो हमें भी देना है, समाज को खर्च कम करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सामाजिक आदर्श विवाह को प्रोत्साहित करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक मजबूती को समाज की प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को पूर्व कैबिनेट मंत्री रामशिला साहू, महिला संयोजिका दिव्या कलिहारी, सह संयोजिका शिल्पा साहू और जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम मे संरक्षक अश्वनी साहू, कार्यकारणी अध्यक्ष दिनेश साहू, उपाध्यक्ष डूलेश्वर साहू विमला साहू संगठन सचिव सूरेन्द्र साहू, भूनेश्वरी साहू, महासचिव महेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष गुमान साहू, महिला संयोजिका कोमिन साहू,अशोक साहू, रामनारायण साहू, गायत्री साहू, पारखत साहू, किशन हिरवानी, छत्रपाल साहू, रवि शंकर साहू, छगन साहू, सुखदेव साहू, गंगा दीन साहू, नारद साहू, डेमन साहू ,कामता साहू, सरजू राम साहू, गरीबदास, डीजेन्द्र साहू , पूरन लाल, कल्याण साहू, योगेश साहू , दीलीप साहू, सुमन साहू, अमृत साहू, शैलेन्द्र साहू, जागेत्री साहू,लता साहू, द्रोपती साहू, देव कुमार साहू, जोगीराम साहू, रामनाथ साहू, बीरेन्द्र साहू, राजू साहू, भुवन साहू, बंटी साहू, तोरन, मीडिया प्रभारी करन साहू साहू सहित हजारो की संख्या मे समाज के लोग उपस्थित रहे। संजू साहू के द्वारा छत्तीसगढी सास्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन खेमलता साहू ने किया। तीज मिलन समारोह में महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता और पारंपरिक रंग ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

समय-सीमा की बैठक

मुंगेली। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, योजनाओं और लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आम नागरिकों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में 17 सितंबर से प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। आगामी धान खरीदी को लेकर कलेक्टर ने जिले के उपार्जन केंद्रों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बारदाना उपलब्धता, भंडारण व्यवस्था, किसानों के पंजीयन तथा उपार्जन केंद्रों में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए।

देखरेख के अभाव में बटंग धान खरीदी केंद्र की व्यवस्था बदहाल, खुले में पड़ी भूसी बारिश में हो रही खराब

पाटन। पाटन ब्लॉक अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित बटंग के धान खरीदी केंद्र में इन दिनों अव्यवस्था का आलम देखने को मिल रहा है। देखरेख के अभाव में धान खरीदी केंद्र का घेरा क्षतिग्रस्त होकर जालीतार टूट गया है। वहीं धान खरीदी पूर्ण होने के बाद बड़ी मात्रा में भूसी को सुरक्षित रखने के बजाय खुले में छोड़ दिया गया है, जिसके चलते बारिश के पानी से भूसी खराब हो रही है।

बताया जा रहा है कि भूसी को सुरक्षित रखने के संबंध में विभागीय अधिकारियों द्वारा पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं, इसके बावजूद धान खरीदी केंद्र में खुले में पड़ी भूसी की सुरक्षा और रखरखाव को लेकर जिम्मेदारों द्वारा कोई गंभीर पहल नहीं की जा रही है। बारिश के कारण भूसी लगातार खराब हो रही है। वहीं टूटा हुआ जालीतार होने के कारण मवेशी भी धान खरीदी केंद्र के अंदर प्रवेश कर खुले में पड़ी भूसी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस अव्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि किसानों और समिति के हित से जुड़े संसाधनों का इस तरह लापरवाही से रखरखाव किया जाना आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। आने वाले दिनों में राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत धान खरीदी की तैयारी शुरू की जाएगी। ऐसे में यदि पहले से खरीदी गई भूसी का उचित रखरखाव नहीं किया गया और वह बारिश में खराब होती रही, तो समिति को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि धान खरीदी केंद्र में क्षतिग्रस्त जालीतार की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा खुले में पड़ी भूसी को सुरक्षित स्थान पर रखा जाए, ताकि बारिश और मवेशियों से होने वाले नुकसान को रोका जा सके। साथ ही पूरे मामले की जांच कर लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। फिलहाल मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

अल्ट्राटेक कुकुरदी सीएसआर द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य परीक्षा संपन्न

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेंट वर्क्स द्वारा निगमित्त सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ग्राम ढनढनी एवं सरकीपार में संचालित 3 माह के बेसिक सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। ढनढनी केंद्र में परीक्षा का आयोजन आज किया गया, जबकि सरकीपार केंद्र में मुख्य परीक्षा पूर्व में 4/9/26 आयोजित की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 मई से 31 जुलाई तक संचालित किया गया, जिसके लिए दोनों ग्रामों में स्थानीय सिलाई प्रशिक्षिकाओं की नियुक्ति की गई थी। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। मुख्य परीक्षा में दोनों केंद्रों की कुल 60 प्रशिक्षणार्थी महिलाओं एवं बालिकाओं ने सहभागिता की। परीक्षा के दौरान प्रतिभागियों के सिलाई संबंधी तकनीकी ज्ञान, माप लेने की क्षमता, डिजाइनिंग की समझ, परिमान निर्माण कौशल तथा प्रशिक्षण अवधि में अर्जित दक्षताओं का मूल्यांकन लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के माध्यम से किया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में भाग लेते हुए अपने कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र आगामी सप्ताह में दिये जाने की योजना है। अल्ट्राटेक कुकदी के सीएसआर प्रमुख राजेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वरोजगार के अवसरों से जोडने तथा उनकी आय बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत प्रतिभागी सिलाई एवं परिधान निर्माण कार्य के माध्यम से स्वयं का रोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेंट वर्कस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रमों से उन्हें नई आजीविका के अवसर प्राप्त हुए है तथा उनके आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह पहल महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, स्वरोजगार संवर्धन एवं सतत आजीविका निर्माण की दिशा में अल्ट्राटेक ककरदी के प्रतिबद्ध प्रयासों का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। प्रशिदक्षण कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com